रीवा
10 सितम्बर 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पाकिस्तान से मुकाबले

@ पेज 7

अंबाला के विशाल मेगा मार्ट में आग,2 फ्लोर का सामान खाक

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के अंबाला में आज सुबह करीब 9 बजे विशाल मेगा मार्ट में आग लग गई। आग ने थोड़ी ही देर में पूरे मॉल को चपेट में ले लिया। इसकी जानकारी लोगों को तब हुई, जब मॉल के आगे लगे शीशे आग की गर्मी से चटककर गिरने लगे और धुआं बाहर आने लगा।

इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी। पहले फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। हालांकि, आग ज्यादा फैल जाने से इस पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

एससी/एसटी अत्याचार मामले में गिरफ्तार होंगे डीएसपी शंकर गणेश

कांचीपुरम, एजेंसी। तमिलनाडु के कांचीपुरम की प्रधान जिला और सत्र अदालत ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएसपी एम. शंकर गणेश की गिरफ्तारी का आदेश दिया। अदालत ने यह कदम एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में जांच में लापरवाही बरतने पर उठाया। कोर्ट के आदेश में कहा गया कि 20 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर के बाद भी जांच अधिकारी शंकर गणेश ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जो कानून के प्रावधानों का उल्लंघन है।

बेकरी हिंसा केस से जुड़ा है मामला :मामला वलजाबाद के बेकरी हिंसा केस से जुड़ा है। इस मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के बाद भी कार्रवाई नहीं की। इसी पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डीएसपी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया।

ईद ए मिलाद जुलूस में पाकिस्तान समर्थक नारे लगने का वीडियो वायरल, केस दर्ज

शिमोगा, एजेंसी। कर्नाटक राज्य के शिवमोग्गा जिले के भद्रावती नगर में ईद ए मिलाद के जुलूस के दौरान पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद न्यू टाउन पुलिस ने स्वत॰ संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने वीडियो को फोरेंसिक लैब भेज दिया है।

दरअसल, इस वायरल वीडियो में सोमवार रात ईद मिलाद के जुलूस के दौरान अंबेडकर सर्किल में कुछ युवकों ने पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लगाते दिखते हैं। इस वीडियो की सत्यता हमारा मीडिया ग्रुप नहीं करता है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद न्यू टाउन पुलिस ने स्वत॰ संज्ञानलेकर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

इस संबंध में शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जीके मिथुन कुमार ने मंगलवार को बताया कि सोशल मीडिया पर 12 सेकंड का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले को गंभीरता से लिया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

प्रदर्शन की आग, सुलग रहा नेपाल

● हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम ओली ने दिया इस्तीफा ● वित्त मंत्री व पूर्व पीएम शेर बहादुर की जमकर पिटाई

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी। इसके अलावा, पीएम ओली, राष्ट्रपति, गृहमंत्री के निजी आवास पर तोड़फोड़ के बाद आगजनी की। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा को घर में घुसकर पीटा। वहीं, वित्त मंत्री विष्णु पोडौल को काठमांडू में उनके घर के नजदीक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारता दिख रहा है। इन हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है। उन्हें सेना हेलिकॉप्टर से अज्ञात स्थान पर ले गई है। इस हिंसा में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में नेपाल के वित्त मंत्री और उप प्रधानमंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल को भी पीटा है। पौडेल को एक गली में घेरकर पीटा गया। इस घटना का एक वीडियो शेयर किया जा रहा है, जिसमें एक प्रदर्शनकारी पौडेल को लात मारते हुए दिखता है।

संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट को लगाई आग

प्रदर्शन में शामिल गुस्साए युवाओं ने सिंह दरबार परिसर, संसद भवन और वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के निजी आवासों को भी निशाना बनाया और आगजनी व तोड़फोड़ की। पार्टी कार्यालयों और पुलिस थानों को भी नहीं बख्शा गया, दिन भर तोड़फोड़ की लगातार खबरें आ रही हैं। काठमांडू में प्रमुख सरकारी और राजनीतिक स्थलों पर प्रदर्शनकारियों के बढ़ते जाने के कारण अधिकारी हिंसा को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने देश में जारी सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शनों के मद्देनजर मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

पीएम ने पंजाब में बाढ़ग्रस्त इलाकों का जाना हाल

● *हवाई सर्वे किया, गुरदासपुर में आम लोगों से मिले*

हिमाचल को 1500 करोड़ रु. देने का किया ऐलान

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के बाद पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। वह गुरदासपुर पहुंच गए हैं। यहां वह बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलेंगे। इसके बाद समीक्षा मीटिंग होगी, जिसमें पंजाब के चीफ सेक्रेटरी बाढ़ संबंधी रिपोर्ट पेश करेंगे। पंजाब की क्कसरकार ने केंद्र से 80 हजार करोड़ रुपए की मांग की है। इससे पहले क्क्रू ने हेलिकॉप्टर से कुल्लू, मंडी और चंबा में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद कांगड़ा में आपदा को लेकर एक बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 1500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मीटिंग में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी बैठक में मौजूद रहे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मंडी,

कुल्लू और चंबा जिले के 18 प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी आपबीती सुनी। उन्होंने एक साल की नितिका से भी मुलाकात की, जिसके माता, पिता और दादी की 30 जून को मंडी में बादल फटने से आई बाढ़ में मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री ने नितिका को पहले टॉफी दी और फिर उसे गोद में उठा लिया। इससे पहले, 5 सितंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमृतसर, गुरदासपुर और कपूरथला में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की थी। चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि 1988 के बाद यह पंजाब में सबसे भयानक बाढ़ रही है। प्रधानमंत्री को बेहद उदार होना चाहिए। उन्हें खजाने के द्वार खोलने चाहिए। पंजाब और हिमाचल प्रदेश सीमावर्ती राज्य हैं। केवल सहानुभूति ही नहीं, बल्कि इन दोनों राज्यों को जरूरत है ठोस और लगातार आर्थिक सहयोग की, ताकि लोगों की जिंदगी और रोजगार दोबारा पटरी पर आ सके।

आपदा में बची एक साल की बच्ची से मिले पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ और भूस्खलन की आपदा का मंगलवार को जायजा लिया। उन्होंने हवाई सर्वे किया और कई लोगों से मुलाकात भी की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए कई फैसले भी लिए हैं ताकि प्रभावितों को राहत मिल सके। पीएम मोदी सबसे पहले कांगड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम ने एक साल की बच्ची निकिता को भी गोद में लिया। राज्य में आई आपदा की निकिता एक प्रतीक बन गई है। बच्ची ने मंडी जिले में बादल फटने की घटना में अपना पूरा परिवार ही खो दिया, लेकिन खुद जीवित और सुरक्षित बच गई है। निकिता महज 11 महीने की थी, जब बादल फटने की घटना में उसके पिता रमेश कुमार (31), मां राधा देवी (24) और दादी पूनम देवी (59) की मौत हो गई थी।

राजस्थान में इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश

कुल्लू में लैंडस्लाइड, 4 की मौत

अहमदाबाद में करंट से पति-पत्नी की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में इस मानसून सीजन राज्य के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश 693.1mm हुई है। 108 साल पहले 1917 में 844.2mm बारिश दर्ज हुई थी। अब तक राज्य के 63% बांध फुल हो चुके हैं।

बीते तीन महीने की बात करें तो जून में 125.3mm, जुलाई में 290mm, और अगस्त में 184mm, बारिश रिकॉर्ड हुई।

हिमाचल के कुल्लू में सोमवार देर रात एक घर पर लैंडस्लाइड हुई। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग दब गए। जिनमें से 4 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग बचाए गए हैं, एक की तलाश जारी है।

यूपी में गंगा, यमुना समेत सभी बड़ी नदियां उफान पर हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50% इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया।

वृंदावन का परिक्रमा मार्ग पूरी तरह डूब चुका है। बांके बिहारी मंदिर से यमुना की दूरी 600 मीटर है, लेकिन अब महज 100 मीटर रह गई। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 48 जिले बाढ़ की चपेट में है। गुजरात के अहमदाबाद में सोमवार रात बाइक सवार कपल पानी भरी सड़क से गुजर रहा था। रास्ते में गड्ढे में करंट का तार था, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

कर्नाटक सरकार बोली- राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख

● **केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की मदद और सलाह पर काम करने के लिए बाध्य**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राष्ट्रपति के संदर्भ पर आठवें दिन सुनवाई हुई, जिसमें यह पूछा गया था कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पास बिलों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने इस पर अपनी दलील दी और कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख हैं। दोनों, केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर काम करने के लिए बाध्य हैं।

कर्नाटक सरकार की ओर से

सीनियर एडवोकेट गोपाल सुब्रमण्यम ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5-जजों की बेंच को बताया कि विधानसभा में पारित बिलों पर कार्रवाई के लिए राज्यपाल की संतुष्टि ही मंत्रिपरिषद की संतुष्टि है।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5-जजों की संविधान पीठ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 14 सवालों की जांच कर रहा है। बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

बंगाल के व्यापारी सौरभ राय के घर ईडी का छापा, 64 लाख नकदी बरामद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में रेत तस्करी से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बसंतपुर निवासी व्यापारी सौरभ राय के घर छापेमारी कर 64 लाख नकद बरामद किए। नोटों की गड्डियां घर के अलग-अलग हिस्सों में छिपाई गई थीं।

ईडी के सूत्रों ने बताया कि एजेंसी की टीम ने सोमवार सुबह से ही राज्य के कई ठिकानों पर लगातार छापेमारी शुरू की थी। छापेमारी के दौरान सौरभ राय घर पर मौजूद नहीं थे। परिवार के सदस्य इतनी बड़ी नकदी के स्रोत और उद्देश्य के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

एजेंसी सूत्रों ने बताया कि सौरभ राय को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा जाएगा ताकि वह कोलकाता के साल्टलेक स्थित ईडी दफ्तर में पेश हों और अपने बयान दर्ज कराएं।

कुलगाम एनकाउंटर : आतंकियों की तलाश जारी,एक दिन पहले मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे; दो जवान भी शहीद

कुलगाम,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में गुड्डर के जंगलों में मंगलवार को भी सुरक्षाबल सर्च ऑपरेशन में जुटे हैं। इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया गया है। सोमवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी। इसमें दो आतंकी ढेर हुए, सेना के दो जवान भी एनकाउंटर के दौरान शहीद हुए।

मंगलवार को दूसरे मृतक आतंकी की भी पहचान पाकिस्तान के एलईटी कमांडर रहमान भाई के तौर पर हुई। वो पीर पंजाल में एक्टिव था। सोमवार को सुरक्षाबलों ने रहमान के साथ आमिर अहमद डार को मार गिराया था। आमिर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। सितंबर 2023 से घाटी में एक्टिव था।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 9RR और CRPF की एक जॉइंट टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की

सूचना मिलने के बाद गुड्डर में सर्चिंग शुरू की थी। तभी आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की थी। माना जा रहा है कि गुड्डर में अभी भी 2-3 आतंकी हो सकते हैं।

आरएस पुरा बॉर्डर के पास घुसपैठिया गिरफ्तार : इसके अलावा जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला सिराज खान नाम के घुसपैठिए को रविवार रात 9.20 बजे ऑक्ट्रोई चौकी पर तैनात BSF जवानों ने देखा।

सेना प्रमुख बोले- सेना के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी

लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर को 4 दिन का टेस्ट मैच बताया, युद्ध हमेशा अनिश्चित होते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के कार्यक्रम में कहा कि सेना के लिए भी आत्मनिर्भर भारत जरूरी है। पहले संघर्ष के समय जहां 100 किमी की रेंज वाले हथियारों की जरूरत थी, आज वहां 300 किमी की रेंज वाले हथियार चाहिए। उन्होंने आगे कहा- हमारे विरोधियों की तकनीक आगे बढ़ रही है। हम विदेशी हथियारों पर हमेशा निर्भर नहीं रह सकते। अपनी क्षमता पर भरोसा और लगातार मजबूत होना ही हमें भविष्य के युद्धों के लिए तैयार कर सकता है। सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा- कुछ लोगों ने कहा कि ये तो चार दिन का टेस्ट मैच था। लेकिन आप युद्ध के बारे में पहले से कुछ नहीं कह सकते। हमें कोई अंदाजा नहीं था ऑपरेशन कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि ये इतना लंबा चलेगा। ईरान-इराक युद्ध लगभग 10 साल चला। नई तकनीक और भविष्य की तैयारी जारी है सेना प्रमुख ने आने वाले समय में नई तकनीक वाले हथियारों को सेना में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- भारत हथियारों के मामले में राइफल से लेजर हथियारों तक जाना चाहता है।

नकल पर सुप्रीम कोर्ट बोला- मुन्नाभाई अंदर ही रहें:

अपने बदले दूसरे से परीक्षा दिलवाने पर फटकार लगाई, जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। मुन्नाभाई अंदर रहना चाहिए। ये सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं। इनकी वजह से तमाम उम्मीदवार नुकसान झेलते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जमानत याचिका खारिज करते हुए यह बात कही। याचिकाकर्ता पर दिसंबर 2024 में हुई उत्तर प्रदेश सीटीईटी परीक्षा में अपनी जगह प्रॉक्सी सॉल्वर यानी पेपर में अपने बदले दूसरे से परीक्षा दिलवाने का आरोप है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टि, संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले में हिंदी फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस का जिक्र किया। 2003 में आई इस फिल्म में संजय दत्त ने मुन्नाभाई का किरदार निभाया था, जिसने मेडिकल परीक्षा में अपनी जगह किसी दूसरे व्यक्ति को बैठाया था।

हाईकोर्ट पहले ही कर चुका जमानत याचिका खारिज : इससे पहले, इलाहाबाद हाईकोर्ट भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि इस केस में तीन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हुआ था। प्रॉक्सी उम्मीदवार सहित दो को जमानत मिल गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने

उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि उसे झूठा फंसाया गया है। परीक्षा के दिन वह अस्पताल में भर्ती था। उसे पता ही नहीं था कि उसकी जगह कोई और परीक्षा में बैठ गया।

हाईकोर्ट ने अर्जी खारिज करते हुए कहा था कि परीक्षा में कोई दूसरा व्यक्ति बैठने से शिक्षा प्रणाली की अखंडता को ठेस पहुंचती है। समाज पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ते हैं।

गड़बड़- केंद्र में बायोमैट्रिक मिलान नहीं होने पर पकड़ा : याचिकाकर्ता और अन्य पर एक प्रिंसिपल की शिकायत पर BNS और उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम के तहत केस दर्ज हुआ था। 15 दिसंबर, 2024 को स्कूल में आयोजित परीक्षा में संदिग्ध उम्मीदवार की सूचना मिली थी। जांच में बायोमैट्रिक मिलान नहीं हुआ। पता चला कि याचिकाकर्ता संदीप सिंह पटेल की जगह कोई अन्य व्यक्ति फर्जी प्रवेश पत्र का इस्तेमाल कर परीक्षा दे रहा था।

विवादों में रहीं हैं परीक्षाएं, लाखों अभ्यर्थी होते हैं तंग : राजस्थान में 2018 की जेल वार्डन परीक्षा में 1.7 लाख बच्चे बैठे। पेपर लीक हुआ। 70 लोग पकड़े गए।

- 2021 की एसआई भर्ती में पेपर लीक व प्रॉक्सी पकड़े। 125 से अधिक गिरफ्तारियां। परीक्षा रद्द हुई।
- रीट में पेपर लीक में 600 से अधिक जांच में आए। 123 शिक्षकों पर एफआईआर हुई।
- उत्तर प्रदेश में 2021 में पेपर लीक के बाद यूपीटीईटी रद्द करनी पड़ी। 18.22 लाख अभ्यर्थी परेशान।
- 2022 में शिक्षक भर्ती घोटाले में 203 चयनितों में से 202 की बीपीएड की डिग्री फर्जी मिली।
- 2024 में कॉन्स्टेबल के 60 हजार पदों की परीक्षा का पर्चा लीक। परीक्षा रद्द हुई। 48 लाख अभ्यर्थी तंग हुए।
- बिहार में 2023-24 में कॉन्स्टेबल भर्ती का पेपर लीक हुआ। 62 से अधिक संदिग्ध चिह्नित हुए।
- 1300 से ज्यादा प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में 445 से अधिक अभ्यर्थियों के दस्तावेज फर्जी मिले।

बारापुला फेज-तीन कॉरिडोर के लिए पेड़ काटने और प्रत्यारोपण की मिली मंजूरी, एक दशक से अटकी थी यह परियोजन

नई दिल्ली ,एजेंसी। एक दशक से अटका बारापुला फेज-तीन कॉरिडोर का काम आखिरकार अब पूरा होगा। केंद्रीय सशक्त समिति (सीइसी) ने परियोजना के लिए पेड़ों को काटने और प्रत्यारोपण की मंजूरी दे दी है। इसके बाद 333 पेड़ों में से 85 पेड़े काटे जाएंगे और बाकी का प्रत्यारोपण होगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने घोषणा की कि अगले एक साल में यह कॉरिडोर पूरा कर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इससे पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-एक से दक्षिणी दिल्ली के आईएनए तक का सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा।

बारापुला कॉरिडोर के फेज-1 और फेज-2 पहले ही पूरे हो चुके हैं। तीसरे चरण में सराय काले खां को मयूर विहार फेज-1 से जोड़ने की योजना 2014 में मंजूर हुई थी और अप्रैल 2015 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। पर्यावरण संबंधी अड़चनों और पेड़ों की कटाई-स्थानांतरण के लिए अनुमति न मिलने से यह परियोजना लगभग दस साल से ठप पड़ा था। अब सीईसी की मंजूरी के बाद इस पर तेजी से काम शुरू किया जाएगा। परियोजना की लागत भी समय के साथ बढ़ी है। शुरुआती अनुमान 964 करोड़ रुपये का था, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 1330 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

करीब 3.5 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर को पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ डिजाइन किया गया है। यमुना के सक्रिय प्रवाह क्षेत्र में कम से कम पिलर लगाने के लिए पियर-सपोर्टेड संरचना और एक्स्ट्राडोब्रिज तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कॉरिडोर में दोनों ओर तीन-तीन लेन होंगी। साथ ही आठ लूप बनाए जा रहे हैं, जिनमें चार सराय काले खां और चार मयूर विहार पर होंगे। इसके अलावा पैदल यात्रियों और साइकिल सवारों के लिए अलग ट्रैक और फुटपाथ बनाए जाएंगे।

333 पेड़ों में से 85 काटे जाएंगे: सीईसी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी और वन विभाग ने संयुक्त सर्वे कर पेड़ों का मूल्यांकन किया। इसमें पेड़ों की संख्या, प्रजाति और स्थान का ब्योरा लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार सेंट्रल फॉरेस्ट डिवीजन में कुल 155 पेड़ हैं। इनमें से 10 पेड़ों को काटना होगा, 34 का प्रत्यारोपण किया जाएगा और 111 को सुरक्षित रखा जाएगा। वहीं साउथ फॉरेस्ट डिवीजन में कुल 178 पेड़ हैं। इनमें से 75 को काटना पड़ेगा, 53 का प्रत्यारोपण होगा और 50 को बचाया जाएगा। कुल 333 पेड़ों में से 85 काटे जाएंगे, 87 का प्रत्यारोपण होगा और 161 को संरक्षित रखा जाएगा। कई पेड़ों को सिर्फ हल्की छंटाई या ट्रिमिंग की जरूरत होगी।

एनएच-24 पर कम होगा वाहनों का दबाव : यह कॉरिडोर एनएच-24, डीएनडी फ्लाई-वे और रिंग रोड पर यातायात का दबाव घटाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही यह बहु-मॉडल ट्रांजिट हब जिसमें एनसीआरटीसी, रेलवे, आईएसबीटी, मेट्रो और दिल्लीङ्कमुंबई एक्सप्रेसवे शामिल है तक सीधी और सुगम पहुंच सुनिश्चित करेगा। अनुमान है कि इसके शुरू होने के बाद दिल्ली में प्रतिदिन करीब 2 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा, जो लगभग 30 हजार पेड़ों के बराबर है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पेड़ों को बचाने के लिए डिजाइन में बदलाव किए गए, पिलर की स्थिति बदली गई और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया अपनाई गई। सीईसी और वन विभाग का आभार व्यक्त करता हूं। अगले एक साल में यह कॉरिडोर तैयार कर दिया जाएगा। यह दिल्लीवासियों को जाम से राहत देने के साथ यमुना के बाढ़ क्षेत्र की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा। -प्रवेश साहिब सिंह, पीडब्ल्यूडी मंत्री, दिल्ली सरकार घबराने की कोई बात नहीं है। वलसन ने आगे कहा कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जाँच कर रही है। प्रारंभिक जाँच में पिछले फर्जी धमकी भरे ईमेल से समानताएँ सामने आई हैं।

कलश चोरी की गुत्थी सुलझी, मुख्य आरोपी ऐसे रखता धार्मिक ईवेंट्स पर नजर, रेकी भी की, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने लाल किले के पास जैन पर्व पंडाल में हुई चोरी का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी, एक जौहरी व एक बिचौलिए को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हापुड़ निवासी भूषण वर्मा, गाजियाबाद निवासी गौरव कुमार वर्मा व अंकित पाटिल के रूप में हुई है। इनके पास से लगभग 725 ग्राम की एक सोने की झाड़ी, पिघला हुआ सोना और नकदी बरामद की है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 3 सितंबर को लाल किला स्थित जैन पर्व पंडाल से एक सोने की झाड़ी, एक सोने का गुड़ और एक सोने का बरियाल चोरी हो गया था।चोरी हुए सामान की कीमत एक करोड़ रुपये बताई जा रही थी। पुलिस टीम ने हापुड़ स्थित उसके घर से मुख्य आरोपी भूषण को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता लगा कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2016 का एक मामला प्रसाद नगर थाने में भी दर्ज है। उस समय वह बीएलके अस्पताल में चोरी करते हुए रंगेहाथों पकड़ा गया था। भूषण वर्मा पुजारी बनकर धार्मिक आयोजनों में शामिल होता था। पूजा आयोजन के दौरान 2-3 दिनों तक निगरानी करता था ताकि कार्यक्रम और सुरक्षा खामियों का अध्ययन किया जा सके। आरोपी भूषण वर्मा ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर जैन मंदिर के आयोजनों का पता लगाया। सीसीटीवी कवरेज और सुरक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए 2-3 दिनों तक स्थल की रेकी की। गौरव कुमार वर्मा ने आरोपी से चोरी किया हुआ सामान खरीदा था। अंकित पाटिल ने चोरी का सामान बिकवाया था।

सचिवालय और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और बम निरोधक दस्ता जांच में जुटा

दिल्ली, एजेंसी। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) में मंगलवार को एक बम विस्फोट करने की धमकी संबंधित ईमेल मिला। ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय में बम धमाके की धमकी दी गई है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की ओर से मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के मुताबिक तत्काल और समन्वित कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस और बम निरोधक दस्ता एमएएमसी और सचिवालय परिसर की गहन जांच कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि दोनों स्थानों पर मौजूद सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि धमकी वाले ईमेल के प्रारंभिक मूल्यांकन से पता चला है कि यह पहले भेजे गए ऐसे फर्जी ईमेल से मिलता-जुलता है। आशंका है कि यह संदेश किसी अन्य राज्य के किसी स्थान के लिए भेजा गया हो सकता है। इस मेल को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है और सभी सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सहित पुलिस के तमाम अधिकारी दोनों जगहों की जांच पड़ताल में जुटे हुए हैं। जिले की साइबर सेल धमकी भरे ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जांच में जुट गई है। डीडीएमए, ट्रैफिक पुलिस और स्पेशल सेल सहित संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है और वह कार्रवाई में शामिल हो गए हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने कहा कि अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़-रोधी जाँच की निगरानी कर रहे थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) द्वारा इस अभ्यास की निगरानी की जा रही थी। दोनों स्थानों पर मौजूद उचित कदम उठाए गए हैं।

सीबीएसई : निजी छात्रों के लिए 10वीं-12वीं की पंजीकरण प्रक्रिया शुरू, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 सितंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। नियमित स्कूल जाने वाले छात्रों की एलओसी (लिस्ट ऑफ कैंडिडेट) पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के बाद अब बोर्ड दसवीं व बारहवीं के प्राइवेट छात्रों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इन प्राइवेट छात्रों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 9 सितंबर से शुरू होगी। पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। पंजीकरण बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर कराया जा सकता है।

प्राइवेट छात्र ऑनलाइन फॉर्म 222.ष्ठ्ठह्यद्ग.ठ्ठष्.द्बठ्ठ के माध्यम से भर सकते हैं। इस संबंध में बोर्ड ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। छात्रों को फॉर्म भरने के लिए 30 सितंबर तक पांच विषयों के लिए 1600 रुपये फीस का भुगतान करना होगा। जबकि यदि कोई एक विषय की परीक्षा देना चाहता है तो 320 रुपये का भुगतान करना होगा। अतिरिक्त विषय की परीक्षा देने के लिए भी प्रति विषय 320 रुपये का भुगतान करना होगा। प्रैक्टिकल फीस के लिए 12वीं के छात्रों को प्रति प्रैक्टिकल 160 रुपये शुल्क चुकाना होगा। 30 सितंबर तक आवेदन नहीं कर सके प्राइवेट छात्र लेट फीस के साथ तीन अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक आवेदन कर सकेंगे। लेट फीस के रूप में छात्रों को 2000 रुपये अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन पंजीकरण करते समय जिस परीक्षा सेंटर का चयन किया जाएगा, उसी के आधार पर उसे आवंटन किया जाएगा। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि आवेदन फॉर्म व फीस का भुगतान ऑनलाइन मोड में ही करना है। अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद छात्र आवेदन नहीं कर सकेंगे। ऐसे छात्र जो बोर्ड परीक्षा 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, और 2025 में फेल हुए थे वे छात्र आवेदन करके वर्ष 2026 की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। मुख्य और सप्लीमेंट्री एग्जाम 2024-25 मुख्य और सप्लीमेंट्री एग्जाम में कंपार्टमेंट प्राप्त करने वाले छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। 2024-25 में जो छात्र फेल हुए या उन्हें एसेंशियल रिपीट वाली श्रेणी में रखा गया है। वे भी आवेदन कर सकते हैं। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया है कि छात्र विषय कोड, व्यक्तिगत विवरण और पात्रता को भरते समय किसी प्रकार की गलती ना करें अन्यथा परीक्षा परिणाम पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली में हादसा : यमुना विहार के फूड आउटलेट में लगे एसी में ब्लास्ट, पांच लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के यमुना विहार में बीती रात एक हादसा हो गया। जहां एक फूड आउटलेट के ग्राउंड फ्लोर पर लगे एसी के कम्प्रेसर में अचानक धमाका हुआ। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत जीटीबी अस्पताल में भर्ती किया गया। दिल्ली फायर सर्विस को देर रात इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने तत्काल तीन दमकल की गाड़ियां भेजी। फायर सर्विस ने आग पर काबू पा लिया है। लेकिन धमाके के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया। मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी को विस्फोट का कारण माना जा रहा है। लेकिन, पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। साथ ही प्रशासन ने सुरक्षा के लिए आसपास के क्षेत्र की जांच शुरू कर दी है।

हाउस ओवरसाइट कमेटी ने जेफरी एपस्टीन के अधिकांश दस्तावेज सार्वजनिक किए

वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एक समन के जवाब में जेफरी एपस्टीन से जुड़े अधिकांश दस्तावेज (रिकॉर्ड) को सार्वजनिक कर दिया है। इसमें जेफरी एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर 2003 में प्रकाशित एक किताब की संपादित प्रति भी शामिल है। इस रिकॉर्ड के जुड़े वकीलों ने समिति को बताया कि उन्होंने किताब में शामिल महिलाओं और नाबालिगों के नाम और तस्वीरें इसलिए संपादित कीं ताकि एपस्टीन के किसी भी संभावित पीड़ित की पहचान न हो सके। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन के जन्मदिन पर लिखी गई किताब के कुछ हिस्सों को संपादित करके प्रकाशित किया गया है। इसमें कई अश्लील प्रविष्टियां हैं। इनकी विषय वस्तु डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर वाली एक किताब जैसी प्रतीत होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक नोट अरबपति और विक्टोरिया सीक्रेट की लंबे समय से प्रमुख रहीं लेस्ली वेक्सनर का था। उस नोट की रिपोर्ट सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रकाशित की थी। इसमें एक भद्दा चित्र था। हस्ताक्षरकर्ता ने लिखा था, मैं तुम्हें वो दिलाना चाहता था जो तुम चाहती हो...। वेक्सनर ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

फगानिस्तान में भीषण भूकंप से 49 गांवों में 5230 घर तबाह, 362 गांवों तक नहीं पहुंच सकी यूएन की मदद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अफगानिस्तान के पहाड़ी इलाकों में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 49 गांवों में 5230 घर पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं और 672 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। लेकिन 441 प्रभावित गांवों में से 362 गांवों तक अभी तक राहत और बचाव टीमें पहुंच ही नहीं पाई हैं।

31 अगस्त को आया था विनाशकारी भूकंप : बता दें कि, यह भूकंप 31 अगस्त को आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गई। अब तक कम से कम 2,200 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबे से शव निकाले जाएंगे, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि इस आपदा से लगभग पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे हैं। इनमें कई ऐसे शरणार्थी भी शामिल हैं जिन्हें हाल ही में पाकिस्तान और ईरान से जबरन वापस भेजा गया था।

राहत कार्य में बड़ी मुश्किलें: यूएन की अफगानिस्तान स्थित मानवीय सहायता प्रमुख शैनन ओहारा ने बताया कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत टीमों के लिए प्रभावित गांवों तक पहुंचना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जलगांवाबाद शहर से भूकंप के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके तक पहुंचने में उन्हें साढ़े छह घंटे का समय लगा, जबकि यह दूरी केवल 100 किमी है। रास्ता एक संकरी पहाड़ी सड़क है,

एनसीवेब में स्पेशल ड्राइव के तहत जारी हुई कट ऑफ, 10 सितंबर तक दाखिले का मौका

नई दिल्ली,एजेंसी। डीयू के नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव के तहत सोमवार को कट ऑफ जारी की गई है। छात्राओं के पास यह अंतिम मौका है। इसके बाद सीटें भरने के लिए ड्राइव नहीं चलाई जाएगी। इस कट ऑफ में 9 से 10 सितंबर तक दाखिला लिया जा सकेगा। स्पेशल ड्राइव में वह छात्राएं ही दाखिले के योग्य होंगी जिन्हें पहली पांच कट ऑफ और एक स्पेशल कट ऑफ के बाद भी दाखिला नहीं मिला या वह किसी कारणवश दाखिला नहीं ले सकी। स्पेशल ड्राइव में के तहत किसी भी नई छात्रा को प्रवेश नहीं मिलेगा। इस कट ऑफ में पहले दाखिला पा चुकी छात्राएं कॉलेज सेंटर भी नहीं बदल सकती हैं। स्पेशल कट ऑफ के तहत कॉलेज से अनुमति मिलने के बाद फीस का भुगतान 12 सितंबर तक किया जा सकता है।

कितनी सीटें हैं खाली: एनसीवेब की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने बताया कि 15,200 सीटों में से अब तक 11,600 सीटों पर दाखिले हो चुके हैं। इस तरह से करीब 3,500 हजार सीटें अब भी खाली हैं। इन्हें भरने के लिए यह कट ऑफ जारी की गई है। अब जो कट ऑफ जारी की गई है उनमें सामान्य से ज्यादा आरक्षित सीटों पर दाखिले की गुंजाइश है। उन्होंने बताया कि यह कट ऑफ पांचवीं कट ऑफ के समान ही है इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। सामान्य श्रेणी की सीटें लगभग फुल, आरक्षित पर अभी भी मौका स्पेशल ड्राइव के तहत जारी कट ऑफ में सामान्य श्रेणी के लिए लगभग सीटें फुल हो गई है लेकिन आरक्षित सीटों पर अभी भी मौका है। बीकॉम प्रोग्राम में सामान्य श्रेणी की छात्राओं के लिए 26 कॉलेज सेंटरों में से सात कॉलेज सेंटर पर दाखिला बंद हो गया है। वहीं, अन्य सेंटरों पर 40 से 45 फीसदी अंकों पर दाखिला हो जाएगा।

अमेरिका में हिरासत में लिए गए अपने 300 नागरिकों को दक्षिण कोरिया चार्टर्ड विमान से स्वदेश लाएगा, विदेशमंत्री वाशिंगटन में

सियोल (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। अमेरिका में दक्षिणी जॉर्जिया के हुंडई-एलजी एनर्जी सॉल्यूशन बैटरी प्लांट से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के छापे में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक एक चार्टर्ड विमान से स्वदेश लौटेंगे। यही नहीं, दक्षिण कोरिया अपने शीर्ष राजनयिक को भी अमेरिका भेज रहा है। इसका मकसद आव्रजन छापे को लेकर बढ़ते असंतोष को ऐसे संकट में बदलने से रोकना है, जो उसके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ संबंधों को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है।

द कोरिया टाइम्स अखबार और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल के अधिकारियों ने बताया कि विदेश मंत्री चो ह्यून सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए। इससे कुछ घंटे पहले सरकार ने घोषणा की कि पिछले गुरुवार को अमेरिका में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक अमेरिका के साथ बातचीत के बाद एक चार्टर्ड उड़ान से कोरिया लौटेंगे। कोरियन एयर ने मंगलवार को पुष्टि की कि एयरलाइन का एक बोइंग 747 विमान (बी 747-8द्ब चार्टर्ड उड़ान) सियोल के पास इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जॉर्जिया के हार्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होगी। कोरियन एयर के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान बिना किसी यात्री के रवाना होगा और इसमें 368 लोगों के बैठने की क्षमता है। दक्षिण कोरिया के नागरिकों को बेड़ियों में जकड़कर हिरासत में ले जाने की तस्वीरें पूरे देश में व्यापक रूप से प्रसारित हुई हैं। इससे अमेरिका के प्रति देश में असंतोष पनप रहा है। इस प्रक्रिया में विदेशमंत्री की भूमिका क्या होगी, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार देश में इस बात को लेकर पनप रहे असंतोष को जल्द से जल्द नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। रूढ़िवादी विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी के प्रवक्ता सोंग इऑन-सियोग आमतौर पर अमेरिका के पक्ष में बोलते हैं मगर उन्होंने भी इस छापे को अभूतपूर्व कूटनीतिक आपदा कहा है । सियोग ने कहा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कूटनीतिक असंतोष को सबसे कड़े शब्दों में व्यक्त करना है। ली को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि यह कूटनीतिक विफलता कहां से शुरू हुई। दक्षिण कोरिया की प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता किम जे-योन ने इस छापेमारी को विश्वासघात बताया है। किम ने कहा कि ट्रंप को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का वादा करना चाहिए। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी आव्रजन छापे में हिरासत में लिए गए सैकड़ों कोरियाई कामगारों के लिए वह गहरी जिम्मेदारी महसूस करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सियोल-वाशिंगटन सहयोग में योगदान देने वालों की वैध गतिविधियों में अनुचित रूप से बाधा नहीं डाली जानी चाहिए। ली ने कैबिनेट बैठक में यह टिप्पणी की। उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने और वीजा संबंधी उपायों में उचित सुधार लाने के लिए वाशिंगटन के साथ मिलकर काम करने का वादा किया। ली ने संबंधित मंत्रालयों को आदेश दिया कि वे हिरासत में लिए गए सभी लोगों के सुरक्षित घर लौटने तक स्थिति पर कड़ी नजर रखें। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारियों को जॉर्जिया के फोल्कस्टन स्थित एक हिरासत केंद्र में रखा गया है। वाशिंगटन स्थित कोरियाई दूतावास में महावाणिज्य दूत चो की-जोंग के नेतृत्व में एक कार्यबल हिरासत में लिए गए मंत्रालय ने कहा कि कोरियाई नागरिक स्वैच्छिक प्रस्थान के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ेंगे, एक ऐसी प्रक्रिया जो आव्रजन बंदियों को अपनी इच्छा से लौटने की अनुमति देती है।

दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में चार मंजिला इमारत ढही, कई वाहनों पर गिरा मलबा, 14 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली,एजेंसी। सब्जी मंडी थाना इलाके में सोमवार देर रात एक चार मंजिला जर्जर मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। दो सौ गज में बना यह मकान काफी दिन से खाली पड़ा था और घटना के समय भी उसमें कोई मौजूद नहीं था। दमकल विभाग के मुताबिक रात करीब 3.05 बजे सब्जी मंडी इलाके में इमारत गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल, स्थानीय पुलिस के साथ बचाव और राहत की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने उस समय राहत महसूस की जब पता चला कि निगम ने जर्जर इमारत को खतरनाक घोषित किया हुआ था और इसमें कोई रह रहा था। मलबे की चपेट में आने से आस पास खड़ी गाड़ियों को नुकसान हुआ है। मलबा की वजह से निकाला। मलबा हटाने का काम जारी है।

विश्वविद्यालय की मांग को लेकर छात्रों का धरना, विथीका भवन पर किया प्रदर्शन

कहा-उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ता है

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर छात्रों ने मंगलवार को विथीका भवन के सामने धरना प्रदर्शन किया। 100 से अधिक संख्या में एकत्र छात्रों ने नारेबाजी के साथ अपनी मांग रखी। छात्र नेता इंद्रलाल पटेल ने बताया कि पिछले चार सालों से वे इस मांग को लेकर ज्ञापन और पत्राचार कर रहे हैं। सीधी जिले में स्नातक स्तर तक की शिक्षा उपलब्ध है। उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को रीवा, जबलपुर, इलाहाबाद या अन्य राज्यों में जाना पड़ता है।

छात्र बोले-यहां कोई बड़ा कॉलेज नहीं: जिले में कई महाविद्यालय एक ही संकाय तक सीमित हैं। यहां न तो परा स्नातक स्तर की पढ़ाई है और न ही मेडिकल, लॉ या तकनीकी शिक्षा संस्थान हैं। छात्र नेता ज्योति पटेल ने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

छात्रों ने पांच घंटे तक शांतिपूर्ण धरना दिया। आंदोलन में इंद्रलाल पटेल, ज्योति पटेल, अंकुर सिंह, विजय पटेल, मुस्कान द्विवेदी, राहुल यादव, आरती तिवारी, शिवानी रावत और रोशनी पटेल सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर से मिलकर ज्ञापन सौंपने की मांग की।

रेप की एफआईआर कराने 300 किलोमीटर भटकी पीड़िता

सिंगरौली स्टेशन में हुआ दुष्कर्म, जीआरपी ने कटनी भेजा; वहां भी हुई जमकर फजीहत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में एक दुष्कर्म पीड़ित महिला को एफआईआर दर्ज कराने 300 किलोमीटर दूर कटनी जाना पड़ा। यहां भी उसकी परेशानी कम नहीं हुई। महिला एसआई न होने के कारण उसे घंटों थाने में बैठा रहना पड़ा। जब 100 किलोमीटर दूर जबलपुर से महिला पुलिसकर्मी कटनी आई, तब जाकर पीड़िता की एफआईआर और बयान दर्ज हो सके।

घटना रविवार की है। पति-पत्नी जबलपुर-इंटरसिटी ट्रेन से सिंगरौली पहुंचे थे। उन्हें आगे चोपन जाना था। रात करीब 12:30 बजे महिला का पति चाय लेने स्टेशन से बाहर गया। इस दौरान 25 वर्षीय महिला शौचालय गई। वहां वाहन स्टैंड पर काम करने वाले ठेकाकर्मी देवालाल साकेत ने उसके साथ जबरदस्ती की। आरोपी की उम्र 25 वर्ष है।

पीड़िता ने सिंगरौली स्टेशन चौकी में शिकायत की। स्टेशन पर ऑनलाइन एफआईआर और महिला एसआई की सुविधा नहीं होने के कारण उसे 300 किलोमीटर दूर कटनी जीआरपी थाने ले जाया गया। वहां भी महिला एसआई नहीं थी। जबलपुर से एसआई संजीवनी राजपूत को बुलाया गया। उन्होंने पीड़िता के बयान दर्ज किए। जीआरपी थाना प्रभारी कटनी एलपी कश्यप के अनुसार, आरोपी के खिलाफ धारा 64, 351 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कलेक्ट्रेट के सामने दो पार्कों में खरपतवार, गार्डन से श्रृंगी ऋषि की मूर्ति गायब; सफाई नहीं होने से उगी घास

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने स्थित दो पार्कों की स्थिति खराब हो गई है। साल 2022-23 में करीब 1 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए ये पार्क अब उपेक्षा का शिकार हैं।

मिनी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित इन पार्कों में से एक का नाम पहले शिव वाटिका था। विरोध के बाद इसका नाम बदलकर श्रृंगी ऋषि उद्यान कर दिया गया। पार्क में स्थापित श्रृंगी ऋषि की मूर्ति अब गायब है।

कांग्रेस ने कहा- पार्क की जगह खरपतवार गार्डन बन गया: कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान ने इसे सरकारी धन के दुरुपयोग का उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि सौंदर्यीकरण के लिए बनाए गए ये पार्क अब खरपतवार से भर गए हैं। रोज गार्डन की जगह खरपतवार गार्डन बन गया है। नगर निगम के सहायक यंत्री संतोष पांडे ने पार्कों की साफ-सफाई और रखरखाव का आश्वासन दिया है। हालांकि, सवाल यह है कि इतनी बड़ी लागत से बने पार्कों की ऐसी स्थिति क्यों होने दी गई।

एससी-एसटी छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

बलियारी छात्रावास दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग, एसडीएम को दिया मांगपत्र

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग के छात्रों ने कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने एसडीएम को 15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। अनुसूचित जाति जनजाति संगठन के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष शंकर कोल ने बताया कि छात्रों को 2024-25 बजट के कारण अभी तक छात्रवृत्ति नहीं मिली है।

बलियारी छात्रावास दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग: छात्रों ने बताया कि प्रमुख मांगों में बलियारी छात्रावास को भारत गैस गोदाम के बगल से दूसरी जगह स्थानांतरित करना शामिल है। छात्रावास जर्जर स्थिति में है। गैस गोदाम से निकलने वाली गैस से छात्रों की सुरक्षा को खतरा है। अन्य मांगों में पिछड़ा वर्ग छात्रावासों की सीट संख्या 50 से बढ़ाकर 100 करना और महाविद्यालय की तरह मैस की व्यवस्था करना शामिल है।

शैक्षिक प्रशासनिक टीम के गठन की भी मांग: छात्रों ने छात्रावासों के निरीक्षण के लिए शैक्षिक प्रशासनिक टीम के गठन की मांग भी की है। छात्रों ने लैपटॉप वितरण योजना में एससी-एसटी मेधावी छात्रों की योग्यता को 75% से घटाकर 60% करने की मांग की है। साथ ही, जूनियर-सीनियर बालक छात्रावासों में स्पोकन इंग्लिश की कोचिंग शुरू करने की मांग भी रखी है।

परीक्षा में नकल करने से रोका तो छात्रों ने अतिथि शिक्षक को लाठी-डंडों से पीटा

सीधी। जिले के गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल अमरपुर में सोमवार को एक शिक्षक पर छात्रों ने हमला कर दिया। त्रैमासिक परीक्षा के दौरान तीन छात्र मोबाइल से नकल कर रहे थे। अतिथि शिक्षक भरत लाल तिवारी ने उन्हें रोका। इससे नाराज छात्र परीक्षा कक्ष से बाहर गए। वे अपने तीन साथियों को बुलाकर लाए। सभी ने मिलकर शिक्षक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शिक्षक के सिर पर गंभीर चोटें आईं। वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। शिक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद अन्य शिक्षकों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल शिक्षक को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। शिक्षक ने बताया कि हमलावरों में 12वीं कक्षा के छात्र अभिषेक साकेत, पवन साकेत और साहिल साकेत थे।

उमरी वितरण केंद्र में टोकन बांटने के दौरान किसानों में मची भगदड़, कई महिलाएं घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बैकुंठपुर के उमरी वितरण केंद्र में खाद के लिए टोकन वितरण के दौरान किसानों की भारी भीड़ में भगदड़ मच गई। इस घटना में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई। किसानों ने बताया कि खाद प्राप्त करने के लिए सुबह से ही लाइन में लगे हुए थे, लेकिन जब टोकन वितरण शुरू हुआ, तो भीड़ बेकाबू हो गई। इस भगदड़ में आधा दर्जन महिलाएं घायल हो गईं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में ले जा कर उपचार कराया गया।

यह घटना निजी महाविद्यालय परिसर में हुई, जहां किसानों की भीड़ ने सुरक्षा व्यवस्था की कमी को उजागर किया। स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों का कहना है कि इस प्रकार की अव्यवस्था के कारण उन्हें न केवल खाद प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है, बल्कि उनकी सुरक्षा भी खतरे में है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

गौवंश को व्यवस्थित रखने के संबंध में समाजसेवी ने जनपद सीईओ को लिखा पत्र

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गौवंश की समस्याओं को देखते हुए रिटायर्ड सैनिक और गौरक्षा दल के जिलाध्यक्ष रीवा, आरएन शुक्ला उर्फ बाबा शुक्ला ने गायों को व्यवस्थित रखने के संबंध में जनपद सीईओ त्योंथर को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने बताया कि पंचायत क्षेत्रांतर्गत सड़क में घूम रहे आवारा पशुओं के कारण आए दिन अप्रिय दुर्घटनाएं घट रही हैं। उन्होंने कहा कि छोटे वाहनों से दुर्घटना होने पर जनहानि होती है, जबकि बड़े वाहनों से होने वाली घटनाओं में पशु हानि होती है। दुर्घटनास्थल पर पड़े रहने वाले इन पशुओं के कारण यातायात प्रभावित होता है और समीपी बसाहटों में पर्यावरण भी प्रदूषित होता है।

इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत क्षेत्रांतर्गत घूम रहे आवारा लावारिस पशुओं को चिन्हित कर उन्हें समीपी गौशाला में पहुंचाया जाए। साथ ही, दुर्घटना की स्थिति में पशुओं को घटना स्थल के समीपी चिन्हांकित स्थल में अपसारित करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि त्योंथर जनपद पंचायत अंतर्गत समस्त सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक, हाका दल द्वारा लाए गए आवारा मवेशियों को गौशालाओं में रखने की व्यवस्था करें। यदि गौशाला में स्थानाभाव हो, तो गौशाला से संलग्न भूमि में भी बाड़ा बनाकर पशुओं को सुरक्षित रखा जाए। किसी भी स्थिति में हाका दल द्वारा लाए गए आवारा मवेशियों को गौशाला में रखने से मना न किया जाए।

आरएन शुक्ला ने पशु मालिकों से अपील की वे अपने पशुओं को सड़क पर न छोड़ें। यदि किसी पशु मालिक के गौवंश सड़क पर आवारा मिलते हैं, तो उनके खिलाफ ग्राम पंचायत प्रस्ताव पारित कर कार्यवाही प्रस्तावित की जा सकती है।

मोटर गैराज से लग्जरी कारों से वायरिंग चोरी

9 कारों से 4 लाख की वायरिंग चुराई, सीसीटीवी में दिखा बदमाश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र में स्थित अली मोटर और सानू मोटर गैरेज से लग्जरी कारों की वायरिंग चोरी का मामला सामने आया है। पिछले दो महीनों से जारी इस चोरी में अब तक 9 लग्जरी कारों की वायरिंग चोरी की जा चुकी है।

गैरेज संचालक इरफान खान और अनवर अली ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लगातार हो रही चोरी के बाद दोनों ने मिलकर सीसीटीवी कैमरे लगवाए, जिसमें चोर कैद हो गया।

अनवर अली के अनुसार एक लग्जरी कार की वायरिंग से लगभग आधा किलो तांबा निकलता है। चोर इसे कबाड़ के भाव में बेच देता है। लेकिन नई वायरिंग लगवाने में कार मालिक और गैरेज संचालक को 40 हजार रुपए का खर्च आता है। अब तक की चोरी से करीब 4 लाख रुपए का नुकसान हो चुका है।

रीवा रोड पर स्थित इन गैराजों में मरम्मत के लिए आई कारों को चोर ने निशाना बनाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि चोर को चिन्हित कर लिया है। तलाश के लिए टीम रवाना हुई है।

मजदूर की तालाब में डूबकर मौत, एसडीआरएफ ने दूसरे दिन निकाला शव

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार थाना क्षेत्र के कटकोना तालाब में नहाते समय गैस पाइपलाइन का काम करने वाले एक मजदूर की डूबकर मौत हो गई। मंगलवार को मृतक का शव निकाला गया है। मजदूर ग्वालियर निवासी राजेंद्र आदिवासी (19) है। सोमवार शाम को राजेंद्र अपने कुछ साथी मजदूरों के साथ तालाब में नहा रहा था। अचानक वह डूबने लगा। साथी मजदूरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने बुढ़ार पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने तुरंत एसडीआरएफ की 7 सदस्यीय रेस्क्यू टीम को बुलाया। टीम ने सोमवार शाम को तलाश अभियान शुरू किया। अंधेरा होने के कारण ऑपरेशन रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू किया गया। कुछ घंटों में ही टीम ने राजेंद्र का शव बरामद कर लिया। एसडीआरएफ टीम प्रभारी कोमल सिंह ने बताया कि शव को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

25 सितंबर तक कार्यवाही नहीं हुई तो सीएम हाउस भोपाल तक करेंगे पदयात्रा: चोटीवाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में लगातार गहराते यूरिया खाद संकट, रीवा एवं भिंड जिलों में किसानों पर हुए लाठीचार्ज, और रीवा जिले के बीड़ा सेमरिया धान खरीदी केंद्र में वर्ष 2024-25 के दौरान खरीदे गए 1.28 करोड़ रुपये के भुगतान के लंबित रहने को लेकर अब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने आंदोलन की राह पर जाने का ऐलान किया है।

यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता विश्वनाथ पटेल 'चोटीवाला' ने कहा कि किसान लगातार अपनी समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यदि 25 सितंबर 2025 तक भुगतान एवं दोषी अधिकारियों पर कार्यवाई सुनिश्चित नहीं हुई, तो यूनियन के पदाधिकारी और पीड़ित किसान विवश होकर हाथ-पैर में बेड़ियां पहनकर और लोटा-सरौता लेकर रीवा से भोपाल मुख्यमंत्री निवास तक पदयात्रा करेंगे।

चोटीवाला ने बताया कि वहां जाकर किसान सिर मुंडवाकर अपना आक्रोश दर्ज कराएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्थिति से उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम की पूर्ण जिम्मेदारी जिला एवं पुलिस प्रशासन की होगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर यह आंदोलन एक गंभीर मुद्दा बनता जा रहा है, और यूनियन ने प्रशासन से अपील की है कि वे इस संकट का समाधान करें। यदि प्रशासन ने समय पर कदम नहीं उठाए, तो किसानों का यह आंदोलन और भी बड़ा रूप ले सकता है।

जिला जेल सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा 09 सितम्बर को जिला जेल सीधी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुधार एवं बेहतर प्रबंधन के संबंध में जेलर को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के उपरांत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बंदियों को सुविधान प्रदत्त अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता, पुनर्वास योजनाओं एवं विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर द्वारा बंदियों से अधिवक्ता, जेल में भोजन की गुणवत्ता चिकित्सकीय मेल-मिलाप तथा अन्य समस्याओं के संबंध में पूछताछ की गई। उक्त शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने उपस्थित बंदियों को अपील एवं पेरोल के अधिकार तथा विधिक सहायता योजना देने के साथ- साथ बंदियों से उनकी समस्या पूछी। जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने बंदियों को उनके विधिक अधिकार एवं प्रत्येक बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके प्रकरणों की यथास्थिति से अवगत कराया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने यह आश्वस्त किया कि प्राधिकरण सदैव बंदियों के अधिकारों की रक्षा और उनके पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया कि बंदियों को योजनाओं एवं विधिक सहायता का समय पर लाभ दिलाया जाए। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, उप जेल अधीक्षक कृष्ण कुमार तिवारी, सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

जीएसटी की दरों में कटौती से लोगों को मिलेगी राहत, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव होगा कम

सरकार की ओर से हाल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के एलान से माना जा रहा था कि इससे आम लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिलेगी। उनके पास पैसों की बचत होगी, जिसे वे अन्य जरूरी वस्तुएं जुटाने पर खर्च कर सकेंगे। मगर इससे पहले कि जीएसटी की नई दरें लागू होतीं, लोगों की जेब पर एक और शुल्क का बोझ पड़ गया है। आनलाइन माध्यम से भोजन की आपूर्ति करने वाली कुछ कंपनियों ने अपने मंच शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। यानी आनलाइन भोजन मंगवाना अब महंगा हो जाएगा। इसका असर देशभर के लाखों लोगों पर पड़ेगा।

माना जा रहा है कि 22 सितंबर से आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू होने पर आनलाइन भोजन मंगाने पर खर्च और बढ़ सकता है। ऐसे में यह सवाल भी अहम हो गया है कि सरकार ने जीएसटी सुधारों के तहत जो कदम उठाया है, क्या वास्तव में उसका लाभ उभोक्ताओं को मिल पाएगा या नहीं

आनलाइन खाने के बढ़ सकते हैं दाम

खबरों के मुताबिक, आनलाइन बुकिंग के माध्यम से भोजन परोसने वाली एक मुख्य कंपनी ने चुनिंदा बाजारों में अपना मंच शुल्क जीएसटी सहित पंद्रह रुपए कर दिया है। इसकी एक अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी ने भी अपना मंच शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि एक अन्य कंपनी ने व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप अपना मंच शुल्क संशोधित करके दस रुपए प्रति आर्डर कर दिया है। भोजन आपूर्ति कारोबार से जुड़े विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि 22 सितंबर से जब आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू हो जाएगा तो उपयोगकर्ताओं पर प्रति आर्डर लगभग दो रुपए से लेकर ढाई रुपए से ज्यादा तक अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।

संपादकीय

जानकारों का कहना है कि जीएसटी में बदलाव से भोजन तैयार करने की लागत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, इसलिए उपभोक्ताओं पर शुल्क का अतिरिक्त बोझ डालने का औचित्य समझ से परे है। ऐसे में इन कंपनियों द्वारा मंच शुल्क में एक साथ की गई बढ़ोतरी खाद्य वितरण क्षेत्र में महंगाई के बढ़ते रुझान को रेखांकित करती है, जिससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लाखों ग्राहकों के लिए सामर्थ्य और सुविधा अब भी साथ-साथ चल सकती हैं

रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों की बढ़ेगी आय–सरकार का तर्क है कि जीएसटी दरों में कटौती और इनके सरलीकरण से न केवल आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि घरेलू मांग भी बढ़ेगी, छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा लोगों की आय बढ़ेगी, जिससे उनके खर्च की क्षमता भी बढ़ेगी। सरकार के इस फैसले को अमेरिकी शुल्क की चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दरअसल, सरकार का जोर घरेलू मांग और खपत बढ़ाने पर है। कर में राहत से लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और इसके परिणामस्वरूप खपत में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे अमेरिकी शुल्क का प्रभाव कम होगा।

एक कुत्ते से बातचीत

पीए सिद्धार्थ

मैं सुबह की सैर के लिए घर से निकला ही था कि गली में एक आवारा कुत्ते ने मुझे दौड़ाना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य से उस दिन मैं डंडा लाना भूल गया था। भले लोगों का मोहल्ला था। इसलिए दौड़ते हुए मुझे बचने के लिए ज़मीन पर कोई पत्थर भी नहीं दिखा। एक घर का गेट खुला था। मैं बचने के लिए उस गेट के अंदर घुस गया। पर कुछ क्षणों में ही मुझे वहां भी एक कुत्ते की धीमी-धीमी गुर्राहट सुनाई देने लगी। ध्यान से देखा तो जीने के नीचे बनाए गए केनल में एक मिक्सड ब्रीड के कुत्ते के दर्शन हो गए। पर मुझे यह कुत्ता पढ़ा-लिखा और सभ्य लगा। वह मुझ पर किसी आवारा कुत्ते या किसी घर के बिगड़े पालतू कुत्ते की तरह नहीं भौंका। वह मुझे केवल अपनी उपस्थिति का एहसास दिलवा रहा था। मुझे लगा कि संभव है यह कुत्ता किसी कॉन्वेंट स्कूल से शिक्षित हो या फिर किसी विपक्षी दल के नेता का हो, जो आजकल विपक्ष में होने के कारण अपना समय आने की प्रतीक्षा कर रहा हो। नहीं तो सत्ता में बैठे लोगों का आचरण और अकड़ देखकर लगता है कि वे कहीं भी असभ्य तरीके से गुर्रा और काट सकते हैं। फिर खयाल आया कि शायद यह कुत्ता वामपंथी या बुद्धिजीवी हो, जो सत्तासीन दक्षिणपंथियों से डर कर सभ्य होने का नाटक कर रहा हो। उसे डर हो कि अगर उसने ऐसा नहीं किया तो कहीं सरकार उस पर अर्बन नक्सल होने का आरोप लगा कर उसे जेल में न डाल दे। यूं भी जब आम भारतीय धर्मभीरू होने के कारण अपने ऊपर उदासीनता और तटस्थता की चादर ओढ़ लेता है, तो कुत्ते की क्या औकात। धीमी गुर्राहट के साथ कुत्ते ने जब सभ्य तरीके से मुझसे मेरा नाम और काम पूछा, तो मैंने सहज होते हुए बताया कि मैं झुन्नू लाल हूं और राज्य सरकार के एक विभाग में उसी की तरह काम करता हूं। उसे भौंकने और चोरों को दौड़ाने की आज़ादी है, लेकिन अगर मैं भौंकू या किसी चोर को दौड़ाऊं, मेरा मतलब है कि किसी रसूख़ वाले व्यक्ति के पक्ष में होने वाली नियमों की तोड़-मरोड़ पर कुछ कहूं या ग़लत रोकने की कोशिश करूं, तो मुझे उन्हीं सरकारी नियमों के तहत चार्जशीट किया जा सकता है।

मेरी बात सुनकर कुत्ता मुस्कुराते हुए बोला, 'यार! तुम लोगों की दुनिया भी विरोधाभासी है। एक हाथ से चोरी करते हो, दूसरे से रोकने का नाटक। सुना है तुम्हारा वैश्विक लीडर नारा देता है- 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा। इसी विषय पर आजकल तुम्हारे खबरिया चैनलों में हर शाम को कूकर झौं-झौं होती रहती है।' उसकी विद्वता भरी बातें सुनकर मुझे लगा कि यह आम कुत्ता नहीं। इसे किसी संवैधानिक या शैक्षणिक संस्था का मुखिया होना चाहिए था, जो अपने मालिक की शान में क़सीदे पढ़ता या उसके गलत को सही ठहराने के लिए बिना सोचे-समझे श्वान राग में ठुमरी या दादरा पेश करता। मैंने उससे नाम पूछा तो वह अपने चेहरे पर तिरछी मुस्कान बिखेरते हुए कहने लगा, 'मेरा नाम जानकर क्या करोगे एक कुत्ता आखिर कुत्ता ही होता है। नाम तो मालिक का ही चलता है। तुम अपनी दुनिया में ही देख ले। जहां तक हमारी बात है, मालिक चाहे आम हो या ख़ास, ईमानदार हो या चोर, हमारा काम तो उसकी हां में हां मिलाते हुए बस भौंकना है और ज़रूरत पडने पर काटना भी। हां, अगर तुम चाहो तो फिलहाल मुझे किसी तानाशाह का नाम दे सकते हो। फिर वह देशी हो या विदेशी, मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता। बस मुझे अपनी मैचो इमेज अच्छी लगती है। किसी तानाशाह की तरह मैं भी अपनी कुरसी यानी जगह नहीं छोड़ सकता। लेकिन हम दोनों में एक बुनियादी फर्क है कि मैं अपने भ्रष्टाचार, प्रदूषण और गलत फैसलों की रखवाली नहीं करता। यह काम केवल आदमी करते हैं। मेरा काम केवल अपने मालिक की रखवाली करना है। न ही मैं तुम लोगों की तरह हवा का रुख़ देख कर पार्टी छोड़ता हूं और न ही ईडी से बचने के लिए सत्ता में शामिल होता हूं।' यह सुनकर मैं शर्मिन्दगी में चुपचाप गेट से बाहर निकल आया।

'द बंगाल फाइल्स' : इतिहास का वो सच, जो हमें कभी नहीं बताया गया

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

'द बंगाल फाइल्स' महज एक फिल्म नहीं है, यह भारत के इतिहास की उस रक्तरंजित सच्चाई का आईना है जिसे दशकों तक छुपाया गया। यहां तक कि अध्ययन के स्तर पर कभी किसी स्कूल की पढ़ाई में तमाम इतिहास के किरादारों एवं घटनाओं के पठन-पाठन के बीच कभी यह सच नहीं बताया गया कि कैसे भारत का रक्त रंजित हिन्दू हत्याओं का इतिहास है। इसके उलट हमारे समाज को बार-बार यह भ्रम दिया गया कि हम एक शांतिपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और सभ्य देश में जी रहे हैं।

दरअसल, यह भ्रम इतना गहरा बैठा है कि पीढ़ियाँ यह मानकर बड़ी हुई कि इतिहास मे जो कुछ हिंसा हुई वह तो आपसी दुश्मनी या सत्ता प्राप्ति के लिए था, फिर भी जो थोड़े-बहुत जख्म थे, वह भर चुके हैं। लेकिन यह फिल्म उस नकली पट्टी को हटाती है और दिखाती है कि घाव आज भी रिस रहा है। जब कोई दर्शक इसे देखता है तो उसकी प्रतिक्रिया मनोरंजन की नहीं बल्कि आत्ममंथन की होती है। वह तालियाँ नहीं बजाता, बल्कि चुप हो जाता है, क्योंकि स्क्रीन पर दिख रहा दर्द महज कल्पना नहीं बल्कि इतिहास का जीवित दस्तावेज है।

भारत का विभाजन केवल राजनीतिक समझौता नहीं था, यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा जबरन विस्थापन था। 1947 में लगभग एक करोड़ चौबीस लाख लोग अपनी जमीन-जायदाद छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि दस से बीस लाख लोग इस विभाजन की हिंसा में मारे गए। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो पीड़ा छिपी है, उसका कोई हिसाब नहीं। लाखों स्त्रियाँ अपमानित हुईं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब गया।

16 अगस्त की रात, ग्रेट कलकत्ता किलिंग: इतिहास में इस रक्तपात की जड़ें 16 अगस्त 1946 को बोई गईं, जब मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्शन डे घोषित किया। कोलकाता की सड़कों पर उस दिन से शुरू हुई हिंसा ने तीन दिनों में कम-से-कम 10,000 लोगों की जान ले ली। ब्रिटिश प्रशासन की रिपोर्टों और 'द स्टेट्समैन' जैसे अखबारों के समकालीन विवरणों से यह साफ है कि यह नरसंहार योजनाबद्ध था। लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हुए और हिंदू बहुल बस्तियाँ राख में बदल गईं। इसे ही इतिहास ने ग्रेट कलकत्ता किलिंग का नाम दिया।

अभी यह जख्म ताजा ही था कि अक्टूबर 1946 में नोआखाली में और भी भयावह घटनाएँ घटीं। यह क्षेत्र आज बांग्लादेश का हिस्सा है। वहाँ पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के गाँवों पर हमला किया गया। सैकड़ों गाँव जलाए गए, हजारों महिलाओं का जबरन धर्मांतरण किया गया और बलात्कार तो सामान्य वारदात बन गए। आँकड़े बताते हैं कि केवल कुछ ही हफ्तों में लगभग 1000 हिंदुओं की हत्या की गई और लगभग 70,000 से अधिक लोग बेघर हो गए। जिन स्त्रियों को जबरन मुसलमान बनाया गया, उनकी संख्या आज भी अज्ञात है क्योंकि पीड़ित परिवारों ने सामाजिक कलंक के डर से कभी अपनी कहानी दर्ज नहीं कराई। गाँधी जी वहाँ पहुँचे, उन्होंने उपवास किया, प्रवचन दिए, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा पर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। वस्तुतः फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' इन घावों को याद कराती है और हमें बताती है कि इतिहास के ये अध्याय हमारे सामूहिक स्मृति से मिटा दिए गए।

पलायन का दर्द जो कभी नहीं भर सकता: यह सब एकबारगी घटनाएँ नहीं थीं। 1947 के विभाजन में पंजाब और बंगाल दोनों जगहों पर नदियाँ खून से लाल हो गईं। आधिकारिक रूप से दस से बीस लाख लोग मारे गए, लेकिन कई स्वतंत्र इतिहासकार मानते हैं कि यह संख्या तीस लाख तक भी हो सकती है। 1947 से 1951 के बीच लगभग 72 लाख हिंदू और सिख भारत आए जबकि उतने मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए। यह आँकड़े बताते हैं कि पलायन कितना असमान और हिंसक था।

इतिहास की यह क्रूरता यहीं नहीं रुकी। 1971 में जब पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया तो यह मानवता के इतिहास का एक और बड़ा नरसंहार बना। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान के अनुसार 20 से 30 लाख लोग मारे गए। इनमें बड़ी संख्या हिंदुओं की थी। लगभग 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। करीब एक करोड़ लोग भारत में शरण लेने आए, जिनमें से अधिकांश बंगाल और त्रिपुरा में बसे। यह विस्थापन आज भी उन इलाकों के सामाजिक ढाँचे पर बोझ है। लेकिन हमारी किताबों में इसे एक युद्ध का परिणाम कहकर दबा दिया गया, जैसे यह कोई सामान्य घटना हो।

बंगाल की तरह कश्मीर में भी वही घटा है: इतिहास की इस लड़ी में 1990 का कश्मीरी हिंदुओं का पलायन भी शामिल है। आँकड़े बताते हैं कि उस समय घाटी में लगभग 3.5 लाख हिंदू रहते थे। देखते-देखते आतंक और हिंसा के चलते 95 प्रतिशत लोग अपने घर छोड़कर भागे। सरकारी आँकड़े कहते हैं कि लगभग 1000 लोग मारे गए, लेकिन कश्मीरी पंडित संगठनों का दावा है कि वास्तविक संख्या कई गुना अधिक थी। महिलाओं के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्याएँ और भयावह धमकियाँ इस पलायन के पीछे थीं। यह सब कुछ उसी सिलसिले का हिस्सा था जो 1946 में बंगाल से शुरू हुआ था।

'द बंगाल फाइल्स' इस पूरे सिलसिले को जोड़ती है। यह कहती है कि

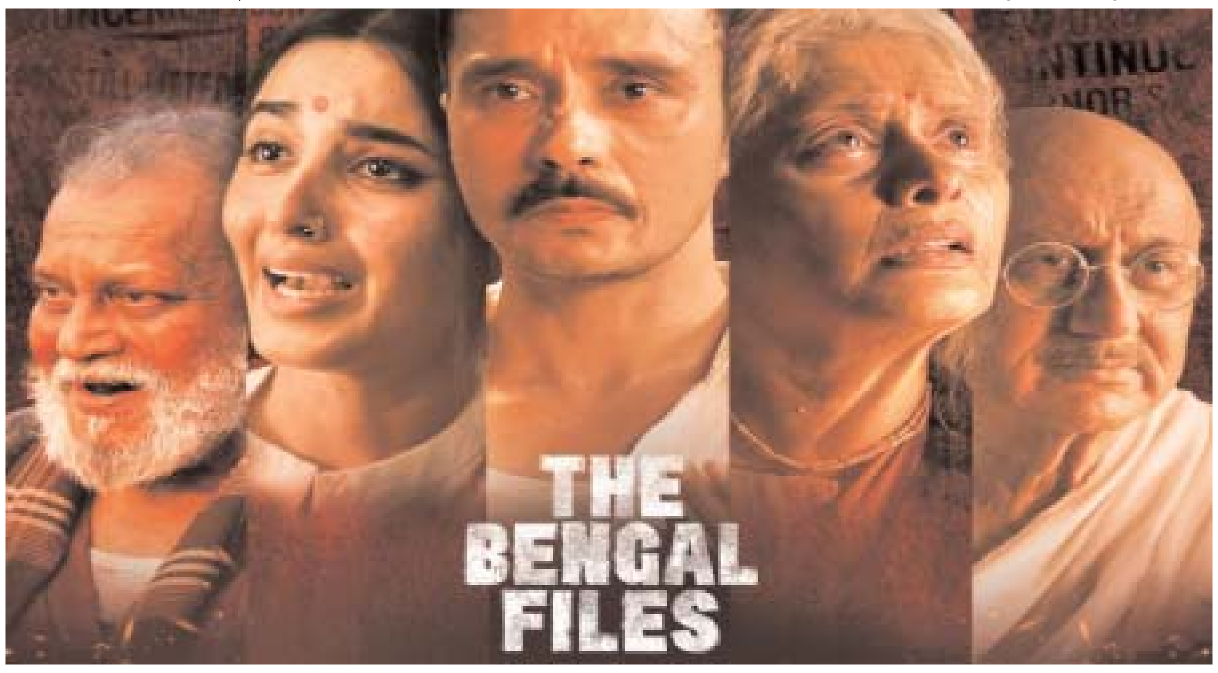

कट्टरपंथ अगर आपके आसपास पनप रहा है, तो यह मत सोचिए कि यह केवल किसी और की समस्या है। परसों बंगाल की बारी थी, कल कश्मीर की थी और कल को शायद आपकी बारी हो। यही संदेश इस फिल्म को महज मनोरंजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक चेतावनी बनाता है।

भारत माता बार-बार लहूलुहान हो रही: फिल्म का केंद्रीय पात्र भारती बनर्जी दरअसल उस आहत भारतमाता का प्रतीक है जो बार-बार लहूलुहान होती रही। पल्लवी जोशी का अभिनय इसे जीवंत बना देता है। दर्शक यह महसूस करता है कि यह केवल एक स्त्री की नहीं, बल्कि एक सभ्यता की पीड़ा है। फिल्म में गोपाल पाठा जैसे भूले हुए नायकों का उल्लेख है, जिनका नाम हमारे बच्चों ने कभी नहीं सुना। स्कूलों की किताबों में यह जगह ही नहीं पा सके। क्यों क्योंकि जिन इतिहासकारों ने किताबें लिखीं, उन्होंने वामपंथी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एकपक्षीय आख्यान गढ़ा।

फिल्म के संवाद भी आँकड़ों की तरह कठोर और सच्चाई से भरे हैं। जब एक अफसर अपने वरिष्ठ से पूछता है कि ÷क्यों हर अपराध को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर दबा दिया जाता है÷ तो यह सवाल केवल इतिहास का नहीं, बल्कि आज का भी है। हम हर समस्या को सांप्रदायिक कहकर टाल देते हैं और असली मुद्दे को छुपा देते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म हमें असहज करती है। यह हमारी उस नकली आत्म-छवि को तोड़ देती है जिसमें हम मानते हैं कि सब कुछ ठीक है।

'द बंगाल फाइल्स' यही सवाल पूछती है। यह याद दिलाती है कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक नहीं था, यह सभ्यता और अस्मिता पर किया गया घाव था। गाँधी जी की नीतियों से लेकर कांग्रेस नेताओं की अधीरता तक, और वामपंथी इतिहासकारों की चुप्पी से लेकर मीडिया की अनदेखी तक, हर मोड़ पर हिंदुओं के नरसंहार को दबाने की कोशिश हुई। फिल्म यह भी दिखाती है कि यह हिंसा कोई एक बार की घटना नहीं, यह आज भी लगातार अनवरत किसी न किसी रूप में जारी है।

जरूरी है भारत को अपने अतीत के सच जानना: यह भी याद रखना होगा कि दुनिया में जब-जब सच सामने आया है, समाज और संवेदनशील हुआ है। जर्मनी ने यहूदी नरसंहार की सच्चाई स्वीकार की, तभी वह आत्ममंथन कर सका। अमेरिका ने अश्वेतों और मूल निवासियों पर हुए अत्याचारों को स्वीकार किया, तभी सुधार संभव हुआ। भारत अगर अपने अतीत का सच नहीं देखेगा, तो वह भविष्य की त्रासदियों से कैसे बचेगा

फिल्म हमें अतीत को वर्तमान बना घटनाओं के बीचोबीच खड़ा करती है: 'द बंगाल फाइल्स' की सिनेमैटोग्राफी और संगीत दर्शक को उसी समय में खींच ले जाते हैं। जब बैकग्राउंड में पुराने बांग्ला गीत बजते हैं और दृश्य में जली हुई बस्तियाँ दिखती हैं तो लगता है कि हम इतिहास के पन्ने नहीं, बल्कि उस समय के बीचोबीच खड़े हैं। अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार जैसे कलाकारों का अभिनय इस संदेश को और गहरा बना देता है। लेकिन इस फिल्म की असली ताकत यह है कि यह केवल इतिहास की बात नहीं करती।

यह वर्तमान और भविष्य को भी जोड़ती है। यह कहती है कि अगर समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ, तो वही त्रासदी बार-बार लौटेगी। यह हमें चेतावनी देती है कि कट्टरपंथ को अनदेखा करना आत्मघाती है। राजेश खेरा, नमाशी चक्रवर्ती, मोहन कपूर, शाश्वत चटर्जी, सिमरत कौर समेत सभी कलाकारों ने अपने रोल के अनुसार बहुत अच्छा काम किया है, फिल्म के सभी पात्र अंत तक अपने किरदार में बने रहे हैं। और हर कोई किरदार आज की पीढ़ी को यह साफ संकेत और संदेश दे रहा है कि अब करना क्या है।

अब विचार हमें ही करना है; हम कौन सा भारत अपनी पीढ़ी को सौंपने जा रहे हैं: आज हमें यह तय करना है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कौन-सा भारत सौंपेंगे। क्या हम उन्हें वही झूठ बताएँगे कि सब कुछ शांतिपूर्ण है या हम उन्हें सच बताएँगे ताकि वे सजग रहें आँकड़े साफ कहते हैं कि लाखों लोग मारे गए, करोड़ों विस्थापित हुए और असंख्य स्त्रियाँ अपमानित हुईं। यह सब केवल इसलिए हुआ क्योंकि समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ।

'द बंगाल फाइल्स' हमें यही बताती है कि यह महज एक फिल्म नहीं, इससे कहीं आगे इतिहास की जलती हुई चिंगारी है। यह हमें झकझोरती है, असहज करती है और चेतावनी देती है। यह कहती है कि अगर हमने समय रहते कट्टरपंथ का निर्मूलन नहीं किया, तो अगली बारी हमारी ही होगी। यही इस फिल्म का असली सबक है और यही इसकी विरासत भी है। यह हमें बताती है कि अगर हम अपनी आँखें मूँदे रहे, तो वही त्रासदी दोहराई जाएगी। समाज को चाहिए कि वह इस फिल्म को केवल एक कहानी न समझे। इसे चेतावनी की तरह देखे, सबक की तरह अपनाए।

जटिल कर प्रणाली से मिली मुक्ति, बदलावों से करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे

जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में मदद मिलेगी। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स में नए साहसिक सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी, बल्कि देश विकसित भारत की राह पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा कि नए कर सुधारों से इसी वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

डॉ. जयंतीलाल भंडारी।

नई जीएसटी व्यवस्था के साथ-साथ नए इनकम टैक्स कानून के तहत नए बदलावों के कार्यान्वयन से देश के करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित होगा। जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स में नए साहसिक सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी, बल्कि देश विकसित भारत की राह पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा कि नए कर सुधारों से इसी वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

इसी तरह दुनिया के विभिन्न आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्ट में भी जीएसटी और इनकम टैक्स में किए गए सुधारों से भारत के तेज गति से विकास की संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद ने चार टैक्स स्लैब 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत में बदलाव करते हुए 5 और 18 प्रतिशत स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लागू होगा। जीएसटी में हुए सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। पहला, संरचनात्मक सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दूसरा, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों। तीसरा, नए रजिस्ट्रेशन और रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट में संतुलन आएगा।

जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें सात दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है।

जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 प्रतिशत जीएसटी वाली लगभग 99 प्रतिशत वस्तुएं अब पांच प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी। जबकि 28 प्रतिशत टैक्स वाली लगभग 90 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी। नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी।

इससे घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी। मध्य वर्ग उत्पादों की खरीद पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47,000 करोड़ रुपये के सालाना राजस्व

नुकसान के बावजूद इससे बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी।

आम आदमी एवं मध्यवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी। बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा।

जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक में मांग बढ़ती हुई दिखाई देगी। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब दो लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी।

मांग एवं उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की ईज आफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग भी सुधरेगी। जीएसटी के दो स्लैब बनने से इसके कार्यान्वयन और लेखांकन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

केंद्र सरकार जीएसटी में बदलाव से साथ-साथ इनकम टैक्स को भी आसान और राहतकारी बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ी है। इनकम टैक्स बिल, 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब कानून बन गया है। यह कानून मौजूदा इनकम टैक्स कानून, 1961 की जगह लेते हुए एक अप्रैल, 2026 से लागू किया जाएगा। वस्तुतः नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट करने वाला है। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होगा।

इस नए कानून के तहत टैक्स कानूनों के मकड़जाल को खत्म कर एक ऐसी प्रणाली निर्मित होगी, जो सहज और आम करदाताओं के लिए लाभकारी होगी। इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए तत्पर होंगे।

नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून में अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है।

नई जीएसटी व्यवस्था के साथ-साथ नए इनकम टैक्स कानून के तहत नए बदलावों के कार्यान्वयन से देश के करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित होगा। जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में मदद मिलेगी।

देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे। इससे तेजी से बढ़ने वाला कर संग्रहण देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगा।

खाद कालाबाजारी एवं अधिक मूल्य पर विक्रय करने वालों पर कार्रवाई

तीन उर्वरक विक्रेता संस्थानों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सक्ती जिले में नकली एवं मिलावटी खाद की रोकथाम तथा अधिक कीमत पर विक्रय करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में गठित जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय टीम द्वारा खाद विक्रेता संस्थानों की लगातार जांच-पड़ताल कर रही हैं।

कृषि विभाग के उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में अनुविभागीय कृषि अधिकारी सक्ती, उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड मालखरौदा द्वारा फगुरम में संचालित खाद विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पीओएस स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक में अंतर, स्कंध पंजी का संधारण नहीं किए जाने एवं प्रदर्शन बोर्ड का चस्पा नहीं होने की पुष्टि पाई गई। इस पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत 03 फर्म संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा 07 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को खरीफ सीजन हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त खाद एवं कीटनाशक उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए विकासखंडों में कार्यरत उर्वरक एवं कीटनाशी निरीक्षकों को निजी प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

तेजी से विकास कार्य कराएं जा रहे हैं : राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने रविवार को बलौदाबाजार प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत सकरी में 49.9 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

मंत्री श्री वर्मा ने जिन विकास कार्यों का लोकार्पण- भूमिपूजन किया उनमें 16 लाख रुपए से किसान कल्याण उत्पादक सहकारी समिति कार्यालय का भूमिपूजन शामिल है। इसी प्रकार 5 लाख रुपए से गली कांक्रीटीकरण, 3 लाख रुपए से महामाया मंदिर परिसर में रंगमंच निर्माण, 6.9 लाख रुपए की लागत से योगा शेड का निर्माण, 16 लाख रुपए से महतारी सदन और 3 लाख रुपए से बाजार चौक में रंगमंच भवन का लोकार्पण शामिल है।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव गरीब, किसान, जवानों के लिए विकास कार्यों को गति दे रही है। जनता से किए गए वादों को समय में पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों से प्रदेश में खुशहाली का माहौल है। महतारी सदन का उपयोग महिला समूहों की बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मंत्री टंक राम वर्मा ने अस्पताल पहुँचकर मरीज का जाना हालचाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा अस्पताल पहुँचकर साहू परिवार से मुलाकात की और घायल युवक का हालचाल जाना। उन्होंने घायल युवक के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। रायपुर के एक स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती बलौदा बाजार निवासी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नंदू साहू के सुपुत्र हाल ही में करंट लगने से घायल हो गए थे। इस हादसे में उनके पैर फैक्चर हो गया था।

छात्रावास-आश्रमों की सुचारू संचालन पर पूरा ध्यान दें : गुरू खुशवंत साहेब

गिरौदपुरी–भंडारपुरी के समन्वित विकास के लिए कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में अनुसूचित जाति वर्ग के हितार्थ संचालित योजनाओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक ली। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली बैठक हैं। प्रमुख प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा एवं आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर ने उनका अभिवादन किया। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि विभागीय छात्रावास-आश्रमों में अध्ययनरत बच्चों को अध्ययन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। छात्रावासों में अच्छी साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन एवं अच्छी शिक्षण व्यवस्था के साथ-साथ बच्चों के शयनकक्ष भी साफ-सुथरे होने चाहिए। छात्रावासों में शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हो, इस पर विशेषरूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को विशेष रूप से छात्रावास-आश्रमों के निरीक्षण किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की आस्था के प्रतीक गिरौदपुरी एवं भंडारपुरी के समन्वित विकास हेतु शीघ्र एक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने रायपुर अथवा आरंग में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु पृथक से एक प्रयास आवासीय विद्यालय खोले जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा अनुसूचित जातियों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभाग अंतर्गत संचालित कुल 3357 छात्रावास-आश्रमों में से अनुसूचित जाति वर्ग हेतु संचालित छात्रावास-आश्रमों की संख्यां 485 है एवं इसमें कुल स्वीकृत सीट 26000 हैं इनमें नियमानुसार बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य अनुसचित जाति आयोग, अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि विभाग अंतर्गत संचालित कुल 20 क्रीड़ा परिसरों में से सक्ती एवं मुगेंली में अनुसचित जाति क्रीड़ा परिसर संचालित हैं। इन क्रीड़ा परिसरों में सीट संख्या बढ़ाने एवं इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश मंत्री ने दिए। मंत्री ने मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना के माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा द्वारा ऑनलाइन छात्रवृत्ति एवं भोजन सहाय योजना की राशि जारी के संबंध में आवयक जानकारी दी गई। उन्होंने आर्यभटट विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षा प्रोत्साहन योजना के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। इसके अलावा ट्रायबल यूथ हॉस्टल, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र एवं सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी गई। इनमें अनुसूचित जाति वर्ग की सीटें बढ़ाने के निर्देश मंत्री द्वारा दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) एवं अत्याचार निवारण अधिनियम अधिनियम अंतर्गत राहत सहायता की जानकारी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर ने बैठक में बताया कि जनगणना 2011 के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जातियों का प्रतिशत 12.82 एवं कुल जनसंख्या 32.47 लाख है, जबकि अनुसूचित जातियों की संख्यां 44 है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति में नई उपजाति को जोड़ने अथवा किसी जाति में मात्रात्मक त्रुटि के संबंध में प्राप्त प्रस्ताव का आदिम जाति अनुसधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से गहन अध्ययन पश्चात प्रस्ताव शासन के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया जाता है, जहाँ पर नियमानुसार कार्यवाही उपरांत महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अनुमोदन पश्चात इसका प्रकाशन राजपत्र में होता है।

बैठक में टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उप सचिव श्रीमती सरोजिनी टोप्पो, अपर संचालक श्री जितेन्द्र गुप्ता, श्री आर.एस.भोई एवं अन्य विभागीय अणिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की शताब्दी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में प्रख्यात गायक, संगीतज्ञ एवं कवि, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की शताब्दी जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राजभवन में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने श्री हजारिका के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राजभवन के अन्य अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों ने भी इस महान कलाकार को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. भूपेन हजारिका का जन्म 8 सितंबर 1926 को असम के सादिया में हुआ था। वे न केवल असमिया बल्कि हिंदी और कई भारतीय भाषाओं में गीत गाने वाले महान गायक और संगीतकार थे। उनकी रचनाओं में मानवीय पीड़ा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्रीय एकता का स्वर गूंजता था। वर्ष 1992 में उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2019 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि श्री भूपेन हजारिका का जीवन और योगदान हमें प्रेरणा देता है।

डड़ाई प्राथमिक शाला में अतिरिक्त शिक्षक की पदस्थापना

विद्यार्थियों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की युक्तियुक्तकरण नीति से सक्ती जिले में शिक्षा व्यवस्था सशक्त हुई है। इस पहल से अब एकल शिक्षकीय विद्यालयों में भी अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होने लगी है।

शासकीय प्राथमिक शाला डड़ाई, जो एकल शिक्षकीय थी। यहां युक्तियुक्तकरण से एक अन्य शिक्षक सुश्री रोशी वंदना तिर्की की पदस्थापना के चलते विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो रही है और शाला के शैक्षणिक वातावरण सकारात्मक बदलाव आया है। विद्यालय की शिक्षिका सुश्री सुलोचना सिदार ने बताया कि स्कूल एकल शिक्षकीय होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति से अब विद्यालय में अतिरिक्त शिक्षिका की नियुक्ति हुई है, जिससे विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हुई है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने भी इस पहल का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि राज्य सरकार का संकल्प है कि कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन न रहे। युक्तियुक्तकरण की नीति से शिक्षा व्यवस्था को नई गति मिली है और प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

युक्तियुक्तकरण से सुदूर अंचलों के विद्यार्थियों को मिलने लगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

राजनीति विज्ञान के शिक्षक की पदस्थापना से बदला शैक्षिक वातावरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया ने सुदूर अंचलों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान की है। कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के मांचाडोली हायर सेकेंडरी स्कूल में राजनीति विज्ञान विषय के विशेषज्ञ शिक्षक श्री आर.के. चन्द्रा की पदस्थापना से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

पूर्व में विद्यालय में विषय-विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध न होने के कारण विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुरूप विषय चुनने में कठिनाई होती थी। राजनीति विज्ञान विषय में रुचि रखने वाले छात्रों को अन्य विषय की पढ़ाई के लिए विवश होना पड़ता था। शासन की युक्तियुक्तकरण नीति से अब विद्यालय में कला, विज्ञान और गणित सहित सभी संकायों की पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो रही है।श्री आर.के. चन्द्रा ने राजनीति विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन और समाज से जोड़ा है। उनकी व्यावहारिक एवं संवादात्मक शिक्षण शैली से छात्रों की रुचि और आत्मविश्वास बढ़ा है। अब छात्र राजनीति विज्ञान को केवल परीक्षा पास करने का साधन न मानकर सामाजिक चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व को पूरा करने का माध्यम मानने लगे है। विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और छात्रों ने युक्तियुक्तकरण नीति की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है। इस नीति से योग्य शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से आत्मनिर्भरता की ओर ग्रामीण परिवार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का असर अब ग्रामीण अंचलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रायगढ़ जिले के ग्राम गुढगहन के निवासी श्री दुलेराम पटेल ने इस योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किया है।

मई माह में उनके सोलर पैनल से 165 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 678 रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। जून माह में 171 यूनिट उत्पादन से 814 रुपये की छूट मिली और उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया। श्री पटेल ने बताया कि सौर ऊर्जा से न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान संभव हो रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है।

ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा इस योजना का लाभ उठाकर नई मिसालें कायम की जा रही हैं, जिससे अन्य लोग भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यह न केवल आर्थिक बचत का माध्यम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार हर पात्र परिवार तक इस योजना का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओपन स्कूल के बोर्ड परीक्षाओं के लिए आवेदन आज से शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल रायपुर द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल नवम्बर 2025 की परीक्षा हेतु आवेदन की प्रक्रिया 8 सितम्बर से शुरू हो गई है। विद्यार्थी ओपन स्कूल के माध्यम से परीक्षा दिलाने के लिए विद्यार्थी सामान्य शुल्क के साथ 8 अक्टूबर 2025 तक और विलंब शुल्क के साथ 11 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के सचिव द्वारा दी गई है।

ऑयल पाम खेती: किसानों के लिए स्थायी आय और आत्मनिर्भरता की राह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। परंपरागत खेती से सीमित आमदनी पाने वाले किसानों के लिए अब ऑयल पाम की खेती नई उम्मीद लेकर आई है। जांजगीर चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखंड के ग्राम सोंठी में किसान पुरुषोत्तम शर्मा ने इस फसल को अपनाकर समृद्ध भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाया है।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने खेतों का निरीक्षण कर किसानों से चर्चा की और बताया कि ऑयल पाम एक दीर्घकालिक आमदनी देने वाली फसल है। इसकी विशेषता है कि रोपण के तीसरे वर्ष से उत्पादन शुरू होकर लगातार 25-30 साल तक चलता है। प्रति हेक्टेयर औसतन 20 टन उपज मिलती है, जिससे किसान को हर साल ढाई से तीन लाख रुपये की आमदनी हो सकती है।

सरकार किसानों को हर संभव सहयोग दे रही है। ऑयल पाम योजना के अंतर्गत प्रति हेक्टेयर 29 हजार रुपये मूल्य के 143 पौधे निःशुल्क दिए जाते हैं। पौधरोपण, फेंसिंग, सिंचाई और रखरखाव की लागत लगभग 4 लाख रुपये आती है, जिस पर केंद्र से 1.30 लाख और राज्य से 1.29 लाख रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही बोरवेल, पम्प सेट, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, पॉम कटर और ट्रैक्टर ट्रॉली जैसी सुविधाओं पर भी सब्सिडी दी जा रही है।

कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूहों को भी इस योजना से जोड़ने के निर्देश दिए हैं, ताकि महिलाएं प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार कर सकें और आत्मनिर्भर बनें।

किसान पुरुषोत्तम शर्मा का कहना है कि पहले खेती से घर चलाना मुश्किल होता था, लेकिन ऑयल पाम ने हमारी सोच बदल दी। अब हमें आने वाले वर्षों में स्थायी और बेहतर आमदनी का भरोसा है।

किसानों को 6636 करोड़ रुपए का मिला ब्याज मुक्त ऋण

चालू खरीफ सीजन में प्रदेश के 14.96 लाख किसान हुए लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में चालू खरीफ सीजन में किसानों को 6636 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया जा चुका है। ब्याज मुक्त ऋण वितरण से 14 लाख 96 हजार किसान लाभान्वित हुए है। यह जानकारी आज अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदार नाथ गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दी गई।

अपेक्स बैंक की बोर्ड की बैठक में श्री केदार नाथ गुप्ता ने कहा कि डेयरी, मत्स्य पालन और वनोपज प्रसंस्करण जैसी रोजगार आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने खाद की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए कहा सहकारिता के अंतर्गत कि इस साल खरीफ सीजन के लिए राज्य सरकार ने 10.72 लाख मेट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य रखा है, और अब तक 8 लाख 69 हजार मेट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है। इनमें से 8 लाख 01 हजार मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित किया जा चुका है। समितियों के गोदामों में 67 हजार मेट्रिक टन खाद उपलब्धता है।

बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य के सहकारी बैंकों में 262 एटीएम और सभी पैक्स सोसायटियों में 2058 माइक्रो एटीएम स्थापित किए गए हैं। साथ ही किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी 2058 पैक्स सोसायटियो को पीएम किसान समृद्धि केंद्र बनाए गए। इससे किसानों को आसानी से अपने खाते से राशि निकालने की सुविधा मिल रही है।

बैठक में नाबार्ड के उप महाप्रबंधक श्री अजय थुटे, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कांडे, संयुक्त पंजीयक श्री उमेश तिवारी, उप पंजीयक व महाप्रबंधक श्री युगल किशोर, ओएसडी श्री अविनाश श्रीवास्तव, एजीएम श्री अरुण पुरोहित, एजीएम श्री एल के चौधरी और अन्य बैंक के अधिकारी उपस्थित थे।

सागर में विश्वविद्यालय का छात्र राजघाट बांध में डूबा

एसडीआरएफ ने सर्चिंग कर तीसरे दिन भंवर से बरामद किया शव, परिवार का इकलौता बेटा था

सागर, एजेंसी। सागर के राजघाट बांध में रविवार शाम नहाते समय डूबे डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। सोमवार को सुबह से शाम तक एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने 10.30 घंटे तक नदी में सर्चिंग की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मंगलवार सुबह से फिर रेस्क्यू शुरू किया गया।करीब दो घंटे रेस्क्यू कर टीम ने छात्र के शव को बरामद कर लिया है। शव राजघाट में नीचे की तरफ भंवर में फंसा हुआ था। जिसे एसडीआरएफ की टीम ने बाहर निकाला है।

जानकारी के मुताबिक, पन्ना जिले के कुशेदर गांव का रहने वाला 20 वर्षीय नितिन पटेल अपने 4 दोस्तों के साथ रविवार को राजघाट बांध घूमने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथ पानी में उतरे दोस्त राजीव ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव और भंवर में फंसने से उसका हाथ छूट गया। बाकी तीन साथी किनारे पर ही थे।

नदी में भंवर और चट्टानों से मुश्किल रेस्क्यू

सिविल डिफेंस डिवीजन वार्डन राजेश मिश्रा ने बताया कि सोमवार सुबह 7 से शाम 5.30 बजे तक 8 सदस्यीय टीम ने राजघाट से चितौरा गांव तक करीब 4 किमी क्षेत्र में सर्चिंग की। गोताखोरों ने पानी में उतरकर और कांटे डालकर तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। नदी की गहराई 20-25 फीट है और नीचे चट्टानें व भंवर हैं। कई बार रेस्क्यू टीम की नाव भी भंवर में फंसकर डूबने से बची।

इकलौता बेटा था नितिन

नितिन पटेल विश्वविद्यालय से बीए के पांचवें सेमेस्टर में पढ़ाई कर रहा था। परिवार में वह इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन भी विश्वविद्यालय से एमए कर रही है। रिश्तेदार कृष्णकांत पटेल ने बताया कि नितिन लंबे समय से सागर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह अपने दोस्त का जन्मदिन मनाने राजघाट गया था।

मामले की जांच कर रहे

थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि राजघाट में युवक की तलाश लगातार जारी है। सोमवार को देर शाम तक तलाशी के बाद भी सुराग नहीं मिला। मंगलवार सुबह से टीम फिर से सर्चिंग शुरू करेगी।

महिला के हाथ-पैर बंधे, संदिग्ध हालत में मिली; पुलिस जांच में जुटी, पहले सरपंच पर दर्ज कराया था दुष्कर्म का केस

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर रेलवे ब्रिज के पास एक महिला संदिग्ध हालत में मिली। महिला के हाथ-पैर बंधे हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड में भर्ती कराया है। बिजावर थाना प्रभारी कमलजीत सिंह के अनुसार पहले भी कई मामलों में शिकायत कर चुकी है। उसने दमोह में गैंगरेप (धारा 376ष) का केस दर्ज कराया था।

इसके अलावा बड़ामलहरा में धारा 54, गुलगंज में धारा 76 और बिजावर में मारपीट का मामला दर्ज कराया था। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि महिला के खिलाफ खुद भी बिजावर थाने में मारपीट का एक केस दर्ज है। महिला ने इसी साल मई महीने में दूसरी शादी की थी।

पहले भी दर्ज कराई थी शिकायत; दरअसल पीड़िता ने मई 2025 को भरतपुर गांव के सरपंच और सचिव पर दुष्कर्म और मारपीट के आरोप लगाए थे। बाद में उसने समझौता कर लिया था। महिला का कहना था कि उसका दूसरा पति उसे छतरपुर ले गया जहां उसके कहने पर सरपंच और सचिव ने उसके साथ रेप किया। हालांकि बाद में महिला ने समझौता कर लिया था।अब महिला सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर संदिग्ध हालत में मिली है। इस मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मिक चौबे ने बताया कि महिला का मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में सरपंच और सचिव पर गैंगरेप का आरोप, नहीं हुई कार्रवाई: छतरपुर में एक महिला न्याय की गुहार लगाते-लगाते थक गई है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिकायत करने पहुंची महिला की तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे संभाला।पीड़िता ने बताया कि वह दमोह जिले की रहने वाली है।

काली फिल्म वाली गाड़ियों पर कार्रवाई, 18 वाहनों के चालान काटे

राजगढ़, एजेंसी। शहर में लंबे समय बाद यातायात पुलिस की सख्ती सोमवार को दिखाई दी। यातायात प्रभारी सूबेदार आईटीआई शर्मा के नेतृत्व में खिलचीपुर रोड पर अभियान चलाया गया। दोपहर में जालपा मंदिर के पास की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ओवरलोडिंग और गहरी काली फिल्म लगाकर निकल रहे वाहनों सहित अन्य अनियमितताओं पर सख्ती दिखाई। प्रभारी ने दो वाहनों की काली फिल्म स्वयं हाथ से उतारी। इस दौरान 20 से अधिक चालकों को छोटी-मोटी गलतियों पर समझाइश देकर छोड़ दिया गया, जबकि 18 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई कर 8400 रुपए का राजस्व वसूला गया। कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस को नेताओं की दखल का सामना भी करना पड़ा। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने बताया कि नियम तोड़ने वाले चालक अक्सर नेताओं से संपर्क कर नियमों को दरकिनार करने की कोशिश करते हैं। सोमवार को भी ऐसे कई फोन पुलिस टीम के पास आए। यातायात प्रभारी ने कहा कि फिलहाल कुछ चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया है, लेकिन अब इस तरह की कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

किसान पंचायतः फसल बीमा, बासमती समर्थन मूल्य और मकोड़िया डैम पर किसानों ने रखी मांगें

रायसेन, एजेंसी। रायसेन की कृषि उपज मंडी में किसान जागृति संगठन ने किसान पंचायत का आयोजन किया। इस बैठक में किसानों ने फसल बीमा, फसल के दाम और सिंचाई जैसी कई बड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

किसानों ने मांग की कि फसल बीमा का लाभ सभी किसानों को मिले और क्लेम की प्रक्रिया पारदर्शी हो। उनका कहना था कि बीमा क्लेम अनावरी (सर्वे) से किया जाए और खसरा स्तर पर दिया जाए। किसानों ने यह भी मांग रखी कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से निजी कंपनियों को हटाया जाए।

धान की कीमत को लेकर भी किसान पंचायत में आवाज उठी। मोटी देशी धान के लिए 3,100 रुपए प्रति क्विंटल और बासमती धान के लिए 6,000 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की मांग की गई। किसानों का कहना है कि पिछले साल बासमती धान के अच्छे दाम नहीं मिलने से उन्हें बड़ा नुकसान हुआ।

पंचायत में मकोड़िया डैम का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने कहा कि बेतवा नदी पर प्रस्तावित इस डैम से रायसेन और विदिशा जिले के करीब 400 गांवों को फायदा होगा। डैम से पेयजल की समस्या हल होगी, सिंचाई के साधन बढ़ेंगे और भूजल स्तर भी सुधरेगा।

इसके अलावा किसानों ने फसल कटाई प्रयोग उनके सामने करने और पंचनामे की प्रति देने की मांग की। साथ ही कहा कि हर तहसील में फसलों के औसत उत्पादन के आंकड़ों को मान्यता दी जाए और उसी आधार पर बीमा क्लेम दिया जाए।

नर्मदापुरम में आधी रात तक तेज आवाज में डीजे बजाए

गणेश विसर्जन में भजन के अलावा में बज रहे फिल्मी गाने; स्थानीय परेशान

नर्मदापुरम, एजेंसी। गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान शहर में डीजे और डबल डीजे के साथ चल समारोह जारी हैं, लेकिन कई समितियां धार्मिक भजन के बजाय हिंदी फिल्मों के फूहड़ गाने बजा रही हैं। रविवार और सोमवार रात 12 से 1 बजे तक तेज आवाज में डीजे बजने से लोगों की नींद में खलल पड़ा। शहर में नियम के अनुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तेज आवाज में साउंड बजाना प्रतिबंधित है। बावजूद इसके कई डीजे संचालक 100 डेसिबल तक आवाज में गाने बजा रहे हैं। प्रशासन और पुलिस की ओर से फिलहाल कोई रोक-टोक नहीं की गई।

शहरभर में चल समारोह: गणेश उत्सव समितियां शहर की अलग-अलग कॉलोनियों से चल समारोह निकाल रही हैं। सोमवार रात भी नर्मदा कॉलेज के सामने, एसपी ऑफिस चौराहा, हलवाई चौक, सराफा बाजार, कोठी बाजार और सदर बाजार सहित कई क्षेत्रों से डीजे गाड़ियों के साथ बाजारों में भ्रमण हुआ। कोठी बाजार क्षेत्र में कुछ समितियों के डीजे पर फिल्मी गाने बजते रहे।

प्रशासन ने कहा- नोटिस जल्द जारी होंगे: सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत ने कहा कि वे अवकाश पर हैं और मामले के लिए तहसीलदार से संपर्क करें। नगर तहसीलदार सरिता मालवीय ने बताया कि उन्होंने खुद चार-पांच डीजे गाड़ियों का वीडियो रिकॉर्ड किया है। जिनकी आवाज बहुत ज्यादा थी।

बीमारी ठीक करने के बहाने धर्म परिवर्तन का मामला

आरोपी विक्रम की दो दिन ओर पुलिस रिमांड बढ़ी; झाबुआ से कनेशन मिला

रतलाम,एजेंसी। इलाज के बहाने धर्म परिवर्तन के मामले के तार प्रदेश के झाबुआ से भी जुड़े मिले है। आरोपी विक्रम सिंह निनामा का पुलिस को कोर्ट से दो दिन का और रिमांड मिल गया है। आरोपी ज्यादा कुछ अभी तक नहीं बता पाया है। झाबुआ से एक व्यक्ति द्वारा उसे रुपए ट्रांसफर करने की बात जरूर सामने आई है। पुलिस आरोपी के बैंक खातों समेत अन्य जानकारियां व फंडिंग के बारे में जांच में जुटी है।

बता दें कि 5 सितंबर को थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत टैंकर रोड पर झोपड़ी में इलाज के बहाने धर्मांतरण की सूचना पर हिंदू संगठनों ने 4 लोगों को पकड़ा था। घर मालिक विक्रमसिंह निनामा मौके से भाग गया था। जिसे रविवार को पुलिस ने अरेस्ट कर तीन आरोपियों के साथ कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट से इसका एक दिन का रिमांड मिला था। सोमवार शाम को इसे पुनः कोर्ट में पेश किया। जहां से पुलिस को 10 सितंबर तक का रिमांड मिला है। दो दिन तक के रिमांड में पुलिस को अहम जानकारियां मिलने की संभावना है।

बैंक एकाउंट्स को भी खंगालेगी पुलिसः

प्राथमिक पूछताछ में झाबुआ के एक व्यक्ति द्वारा विक्रमसिंह निनामा को रुपए ट्रांसफर करने की बात सामने आई है। अब पुलिस संबंधित के बारे में जानकारी जुटाएगी। साथ ही आरोपी विक्रम के बैंक एकाउंट्स को भी खंगालेगी। यह भी बात सामने आई है आरोपी विक्रम झाबुआ के किसी चर्च से जुड़ा है। हालांकि पुलिस अभी इस मामले में खुल कर बोलने के लिए तैयार नहीं है। जांच अधिकारी थाना औद्योगिक क्षेत्र के सब इंस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया कोर्ट से 10 सितंबर तक रिमांड मिला है। सारे पहलुओं की जांच की जा रही है।

घर से मिले थे बाइबल व क्रॉसः

हिंदू संगठनों को मौके से बाइबल, क्रॉस भी मिला था। मौके पर पुलिस को बुलाया गया था। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों को काफी संख्या में जनजातीय लोग थे। जिनमें महिलाओं व बच्चों की संख्या अधिक थी। सभी यहां प्रार्थना व इलाज कराने के बहाने पहुंचे थे। शनिवार देर शाम पुलिस ने विरियाखेड़ी निवासी कैलाश पिता नाथुलाल निनामा की शिकायत 4 लोगों के खिलाफ मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3 व 5 के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

जिनमें एक आरोपी बांसवाड़ा का था एक रतलाम मेडिकल कॉलेज में पेरामेडिकल स्टाफ (नर्सिंग स्टूडेंट) है। चारों आरोपियों को रविवार को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जहां से तीन को जेल भेज दिया।

प्रार्थना के बहाने इलाज कराने वाले आरोपी विक्रम सिंह (35) पिता शम्भूलाल उर्फ शम्भू निनामा निवासी रिछखोरा थाना सरवन हाल मुकाम शिव नगर का पुलिस को एक दिन का रिमांड मिला था, सोमवार शाम को कोर्ट ने इसका रिमांड अवधि 10 सितंबर तक बढ़ा दी है।

इन्हें किया था गिरफ्तार

जगदीश (30) पिता शम्भूलाल निनामा निवासी रिछखोरा थाना सरवन हाल मुकाम गंगासागर रतलाम।म, ïगीलाल (35) पिता शंकरलाल निनामा साल निवासी सागवा थाना बिलकुंआ जिला बांसवाडा (राजस्थान), गुड्डु उर्फ गुड्डा (18 साल 07 माह) पिता बालू मईडा निवासी गेणी थाना शिवगढ जिला रतलाम।, विक्रम सिंह (35) पिता शम्भूलाल उर्फ शम्भू निनामा निवासी रिछखोरा थाना सरवन हाल मुकाम शिव नगर रतलाम।

नर्मदा में तीसरे दिन मिला राजस्थान के युवक का शव

ओंकारेश्वर में भाई को डूबता देख नदी में कूदा था

खंडवा,एजेंसी। नर्मदा नदी में डूबे राजस्थान के पाली निवासी युवक उमेद उर्फ चिराग (25) का शव तीसरे दिन मंगलवार सुबह मोरटक्का में एक्वाडक्ट पुल के नीचे बरामद हुआ। युवक अपने भाई को डूबते देख उसकी जान बचाने के लिए खुद गहरे पानी में कूद गया, लेकिन वह नदी की तेज धारा में बह गया।

जानकारी के अनुसार चिराग अपने 6 दोस्तों के साथ रविवार को ओंकारेश्वर आया था। ओंकार मठ के पास नर्मदा स्नान के दौरान उसने अपने भाई को डूबते देखा। उसने भाई को बाहर निकाल लिया, लेकिन खुद बहते पानी में फंस गया और तब से लापता था।

दो दिन से रेस्क्यू जारी था: दो दिन तक गोताखोर रेस्क्यू टीम युवक की तलाश कर रही थी, लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण सफलता नहीं मिली। मंगलवार सुबह शव नदी की सतह पर फूलकर मोरटक्का में एक्वाडक्ट पुल के नीचे आ गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद किया।

मरीजों के बिस्तर के पास घूम रहे चूहे, खाने के सामान से लेकर बेड के पास कई चूहे लगा रहे चक्कर

मंडलेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की सुरक्षा खतरे में

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के मंडलेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की सुरक्षा खतरे में है। अस्पताल के प्रसूति वार्ड में चूहे घूमते नजर आए हैं। मरीजों के पलंग के नीचे और डस्टबिन के पास चूहों की मौजूदगी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खाने-पीने की चीजों के पास भी चूहों के दिखने से परिजन डरे हुए हैं।

मंडलेश्वर निवासी सुनील चौहान ने बताया कि वे अस्पताल में भर्ती प्रसूता रोशनी की देखभाल के लिए पहुंचे थे। दो दिन पहले ही रोशनी ने बच्चे को जन्म दिया है। सुनील ने बताया कि उन्होंने प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के पास चूहों को दौड़ते देखा।

गौरतलब है कि हाल ही में इंदौर के एमवाय अस्पताल में चूहों ने दो मासूम बच्चों को काट लिया था। इस घटना के बाद मंडलेश्वर अस्पताल में चूहों की मौजूदगी को लेकर लोगों में डर और चिंता और ज्यादा

बढ़ गई है।

इस पर बीएमओ डॉ. अतुल गौर ने कहा कि अस्पताल में चूहों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जा रहे हैं और स्टाफ को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, खरगोन के सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया ने मामले का संज्ञान लेकर बीएमओ को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

पितृपक्ष पर नर्मदा तट पर उमड़े श्रद्धालुःबुधनी के घाट पर सुबह से ही पितरों को जल अर्पण

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले के बुधनी स्थित ऐतिहासिक नर्मदा घाट पर पितृपक्ष के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। सुबह से ही लोग नर्मदा तट पर पहुंचकर अपने पितरों के लिए जल अर्पण और तर्पण कर रहे हैं।

भाद्रपद मास की पूर्णिमा के बाद शुरू हुए 16 दिन के पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस समय पूर्वज धरती पर आते हैं और अपने वंशजों से तर्पण की उम्मीद रखते हैं।

नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी: श्रद्धालु बताते हैं कि यह सिर्फ धार्मिक कर्तव्य नहीं बल्कि पूर्वजों को याद करने का एक पवित्र अवसर भी है। घाटों पर भावुक दृश्य देखने को मिल रहे हैं, जहां पुत्र अपने पिता और पौत्र अपने दादा-दादी को याद कर नम आंखों से अर्पण कर रहे हैं।धार्मिक विद्वानों का कहना है कि पितृपक्ष में नर्मदा स्नान और तर्पण का महत्व तीर्थयात्रा के बराबर है।

भारत-यूएई मैच आज कुलदीप-वरुण और संजू-जितेश में किसे मिलेगा मौका ?

दुबे-रिंकू में कशमकश

दुबई, एजेसी एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत 10 सितंबर यानी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा। इस मैच को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि टीम मैनेजमेंट अंतिम एकादश में किन खिलाड़ियों को मौका देगा और किन्हें बाहर बैठना पड़ेगा। हालांकि, टीम प्रबंधन का मुख्य ध्यान ऑलराउंडरों के सहारे संतुलन साधने पर होगा। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। मैच भारतीय समयानुसार बुधवार रात आठ बजे शुरू होगा, जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े सात बजे होगा।

ऑलराउंडरों के जरिए संतुलन साधने पर जोर: भारतीय टीम अभी तक इस बात पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है कि यूएई के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में वह तीसरे स्पिनर को टीम में शामिल करेगी या फिर किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को उतारेगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारत ने लगभग हर फॉर्मेट में ऑलराउंडरों को अहमियत दी है। इस रणनीति का उद्देश्य बल्लेबाजी को गहराई देना है ताकि टीम के पास आठवें नंबर तक भरोसेमंद बल्लेबाज मौजूद हों।

पाकिस्तान मैच से पहले अभ्यास जैसा होगा यह मुकाबला: भारतीय टीम का यह पहला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले अभ्यास जैसा साबित हो सकता है। अमीरात की टीम को ऑन पेपर कमजोर माना जाता है, ऐसे में यह मैच भारतीय टीम प्रबंधन को यह परखने का मौका देगा कि आगे के मैचों के लिए कौन-सा संयोजन सबसे बेहतर रहेगा।

यूएई खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर: मेजबान यूएई के क्रिकेटरों के लिए यह मुकाबला उनके जीवन का सबसे अहम मैच साबित हो सकता है। भारतीय टीम के खिलाफ खेलते हुए जसप्रीत बुमराह का सामना करना या फिर शुभमन गिल जैसे बल्लेबाज को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के खिलाड़ी के लिए सामान्य बात नहीं है। एशिया कप उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के माहौल से परिचित कराएगा और उनके खेल को निखारने का मौका देगा।

विकेटकीपर की पहेली सुलझी: भारतीय टीम में लंबे समय से चली आ रही विकेटकीपर की दुविधा भी फिलहाल अनसुलझी दिख रही है। हालांकि, संजू सैमसन और जितेश शर्मा में से जितेश को प्राथमिकता दी जा सकती है। सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी के बावजूद जितेश की फिनिशर की भूमिका टीम प्रबंधन को ज्यादा उपयुक्त लग सकती है।

गिल की वापसी से सैमसन की राह मुश्किल: शीर्ष क्रम में शुभमन गिल की वापसी के कारण भी सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल हो गया है। अब गिल और अभिषेक शर्मा भारतीय पारी की शुरुआत करेंगे। तीसरे नंबर की स्थिति पर तिलक वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत की है। यही वजह है कि वह टी20 विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच चुके हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

ऑलराउंडरों पर टिकी निगाहें: शीर्ष और मध्यक्रम के बाद बारी ऑलराउंडरों की आती है। यहां हार्दिक पांड्या की भूमिका अहम हो जाती है। वह टीम को एक कुशल बल्लेबाज और एक भरोसेमंद तेज गेंदबाज दोनों विकल्प देते हैं। इसके अलावा शिवम दुबे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और धीमी पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में रिंकू सिंह को मौका मिलने की बात भी चल रही ही।

निचले क्रम का संतुलन: नंबर सात पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा फिट बैठते हैं, खासकर उनके आरसीबी के लिए आईपीएल में किए गए दमदार प्रदर्शन को देखते हुए। इसके बाद अक्षर पटेल आते हैं, जो टीम को एक उपयोगी स्पिनर के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने का भरोसा देते हैं।

दुबई की पिच और स्पिनरों की स्थिति

मार्च में यहां चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत ने रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे चार स्पिनरों को खिलाया था। हालांकि, इस बार परिस्थितियां बदली हुई हैं। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ किसी और स्पिनर को शामिल करने का फैसला करता है, तो उसके पास कुलदीप और चक्रवर्ती जैसे दो अच्छे विकल्प मौजूद हैं। इसके अलावा अभिषेक भी बाएं हाथ से स्पिन करा सकते हैं।

यूएई टीम के लिए सुनहरा मौका

मेजबान यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर है। उनके खिलाड़ी जैसे मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह, अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने को तैयार हैं। यह प्रतियोगिता उनके लिए एशिया की शीर्ष टीमों के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच होगी।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे/रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती/कुलदीप यादव।

संयुक्त अरब अमीरात- मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आसिफ खान, अर्यांश शर्मा, राहुल चोपड़ा (विकेटकीपर), सिमरनजीत सिंह, ध्रुव पराशर, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद फारुक, मतीउल्लाह खान।

गेंदबाजी विभाग की मजबूती: तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह लगभग तय मानी जा रही है। दोनों के चयन से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलती है और केवल एक स्थान चयन के लिए बचता है। सितंबर में एशिया कप खेले जाने का मतलब है कि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच मार्च की तुलना में अधिक हरी-भरी और ताजी होगी, जिसमें उछाल भी ज्यादा होगा।

वानुआतु की कप्तान रेचल एंड्रयू ने टी20 में रचा इतिहास

हैट्रिक के साथ खेली नाबाद 85 रनों की पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वानुआतु की कप्तान रेचल एंड्रयू ने टी20 इंटरनेशनल में यादगार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत की राह दिखाई। आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में जगह बनाने की जंग में एंड्रयू ने इंडोनेशिया के खिलाफ शानदार हैट्रिक ली और साथ ही नाबाद 85 रनों की पारी खेली। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ ही वह रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गई।

27 वर्षीय एंड्रयू वानुआतु की सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने टी20आई में हैट्रिक हासिल की। खास बात यह है कि वह इस फॉर्मेट में अर्धशतक और हैट्रिक का अनोखा डबल करने वाली भी दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले उनकी साथी खिलाड़ी सेलिना सोलमन ने इस साल फ्रांस के खिलाफ नाबाद 56 रन बनाए थे और 4 विकेट झटके थे।

फिजी में खेले जा रहे ईस्ट-एशिया पैसिफिक क्वालिफायर के पहले मुकाबले में वानुआतु ने एंड्रयू की बल्लेबाजी के दम पर 131 रन बनाए। जवाब में इंडोनेशिया ने मारिया कोरोज़ोन और देसी वुलंदरी की 55 रनों की साझेदारी से अच्छी शुरुआत की, लेकिन एंड्रयू (3/10) और नासिमाना नवाइका (3/27) की घातक गेंदबाजी ने मैच पलट दिया।

एंड्रयू को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ वानुआतु ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान फिजी शीर्ष पर काबिज है। उल्लेखनीय है कि फिजी में चल रहा यह आठ टीमों का टूर्नामेंट आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर का अंतिम स्थान तय करेगा।

भारत ने ओमान को हराकर सीएएफए नेशंस कप 2025 में तीसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप में इतिहास रचते हुए ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह मुकाबला सोमवार को ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेला गया। यह पहली बार है जब भारत ने वेस्ट एशिया की इस उच्च रैंकिंग वाली टीम को मात दी है।

हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। भारत की ओर से उदांता सिंह ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां ओमान ने शुरुआती दो मौके गंवा दिए। भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी बचाकर टीम को जीत दिलाई।

शूटआउट में भारत के लिए लालियानजुआला छांगते, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए, जबकि अनवर अली और उदांता अपने प्रयासों में चूक गए।

गौरतलब है कि दोनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया था, जिसके बाद यह तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला गया।

पुनेरी पल्टन के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने उतरेगी यूपी योद्धाज

विशाखापट्टनम, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 में यूपी योद्धाज कल यानी बुधवार को रात 9ः00 बजे विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में पुनेरी पल्टन से भिड़ेंगे और इस मैच को जीतकर वे जीत की पटरी पर वापसी चाहेंगे।

अभी तक तीन मैचों से चार अंक जुटाकर योद्धाज अंकतालिका में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने दो मुकाबले जीते हैं। दूसरी ओर, छह अंकों के साथ पुनेरी पल्टन दूसरे स्थान पर है। उन्होंने पांच मैच खेले हैं और पिछला मुकाबला पटना पाइरेट्स से 11 अंकों के अंतर से गंवाया है।

नए सीजन की शुरुआत यूपी की टीम ने शानदार ढंग से की है। पहले तेलुगु टाइटंस और फिर पटना पाइरेट्स को हराने के बाद हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया था। उनकी डिफेंस की मजबूती ने पूरे लीग के प्रतिद्वंद्वी कोचों का ध्यान खींचा है। टीम का टैकल सफलता दर 42.02 प्रतिशत है और तीन सुपर टैकल किए हैं, जो दोनों ही विभागों में चौथे स्थान पर है। कप्तान सुमित सांगवान 15 टैकल अंक और 2 हाई 5 के साथ लीग में सबसे आगे हैं। वहीं, अटैक में गगन गौड़ा लगातार खतरा बने हुए हैं। वह औसतन 11.33 रेड अंक प्रति मैच ले रहे हैं और तीन सुपर रेड कर चुके हैं।

यूपी योद्धाज के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने मैच से पहले कहा, पुनेरी पल्टन एक ऐसी टीम है जो समन्वय के साथ खेलती है। हमें अपनी रणनीति उसी के अनुरूप बनानी होगी। दोनों टीमें आक्रमण में मजबूत हैं, इसलिए मेरा मानना है कि जो टीम कम गलतियां करेगी, वही विजेता बनेगी।

अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में यूपी योद्धाज ने मैट पर हर विभाग में संतुलित खेल दिखाया है। रणनीतिक दृष्टिकोण और खिताब जीतने के लिए उत्सुक युवा खिलाड़ियों के साथ टीम अपने अगले ग्रुप-स्टेज मुकाबले में भी एकजुट होकर जीत की ओर बढ़ने का इरादा रखती है।

पाकिस्तान से मुकाबले के पहले सूर्या बोले-क्रिकेट में सफलता के लिए आक्रामकता बेहद जरूरी

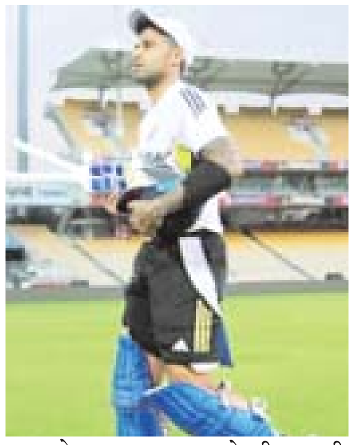

दुबई,एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए आक्रामकता बेहद ज़रूरी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है और इसके बिना आप यह खेल नहीं खेल सकते। मैं इस मुकाबले के लिए बहुत उत्साहित हूं।

भारत अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को दुबई में यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान शुक्रवार को इसी मैदान पर ओमान से भिड़ेगा। सूर्यकुमार की टिप्पणी पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने जवाब देते हुए कहा कि हर खिलाड़ी की अपनी अलग शैली होती है और उन्हें मैदान पर खुद को खुलकर व्यक्त करने की आज़ादी मिलनी चाहिए। आगा ने कहा, किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। अगर कोई मैदान पर आक्रामक होना चाहता है तो उसका स्वागत है।

गौरतलब है कि एशिया कप 2022 के पिछले टी20 मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 5 विकेट से हराया था। उस मैच में मोहम्मद नवाज़ ने 20 गेंदों पर 42 रन बनाकर और गेंदबाज़ी में एक विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था। भारत 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। इसके बाद शीर्ष दो टीमें सुपर-4 चरण में पहुंचेंगी। यदि भारत ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान पर रहता है, तो उसके सभी सुपर-4 मैच दुबई में होंगे। वहीं, दूसरे स्थान पर रहने की स्थिति में एक मैच अबू धाबी और बाकी दो दुबई में खेले जाएंगे। सुपर-4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

ईरान के अगले बड़े सितारे हैं अलीरेज़ा, बेंगलुरु बुल्स कोच बीसी रमेश

विजाग, एजेंसी। बेंगलुरु बुल्स ने सोमवार को विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में शानदार रणनीति और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स को 40-33 से हराया। टीम की जीत में ईरानी रेडर अलीरेज़ा मिर्ज़ायन का अहम योगदान रहा, जिन्होंने लगातार दूसरा सुपर-10 लगाया। कप्तान योगेश और दीपक शंकर के नेतृत्व वाली मजबूत डिफेंस ने भी जीत में बड़ा रोल निभाया। हेड कोच बीसी रमेश ने टीम की इस जीत को योजनाबद्ध रणनीति और सटीक क्रियान्वयन का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, हमने पिछली बार की तरह ही दो डिफेंडर और दो रेडर के प्लान पर काम किया। अलीरेज़ा को सपोर्टिंग रेडर रखा गया था और आशीष मलिक मुख्य रेडर थे। इस बार हमारे लकी कैप्टन योगेश ने सही समय पर टैकल किए और टीम को प्रेरित किया। रमेश ने अलीरेज़ा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक दुर्लभ प्रतिभा है। वह शानदार रेडर है। हमने तीन रेडरों के साथ योजना बनाई थी, लेकिन उसे बढ़त देने का फैसला किया। उसका आत्मविश्वास असाधारण है—वह लगातार कहता रहा, 'सर, मुझे भेजो, मैं करके दिखाऊंगा।' यही विश्वास और जज़्बा उसे खास बनाता है। वह ईरान का अगला बड़ा सितारा है। कोच ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा पर भी जोर दिया। उन्हें डिफेंड करना आता है, साथी खिलाड़ियों की मदद करना आता है और अहम मौकों पर अंक बटोरना भी।

कप्तान योगेश ने भी अलीरेज़ा की तारीफ करते हुए कहा, वह आत्मविश्वासी रेडर है जो मानता है कि किसी भी टीम के खिलाफ अंक ले सकता है। वह लगातार टीम से संवाद करता है, चाहे रेडिंग रणनीति हो या डिफेंसिव एडजस्टमेंट और यही चीज़ बड़ा फर्क लाती है। अलीरेज़ा ने अपनी शानदार फॉर्म का श्रेय कोच रमेश को दिया। उन्होंने कहा, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। वह सबसे अच्छे कोच हैं। उन्होंने कहा कि खुद पर भरोसा रखो और आसानी से खेलो। उनका विश्वास ही मुझे आत्मविश्वास देता है।

लगातार दूसरी जीत और अलीरेज़ा की शानदार लय के साथ बेंगलुरु बुल्स ने जीत की रफ्तार पकड़ ली है। कोच रमेश ने कहा, हमारी टीम को जीतना है और यह तो बस शुरुआत है।

पीकेएल-12 : अयान के 21 अंकों से पटना पाइरेट्स की धमाकेदार जीत, पुनेरी पल्टन 11 अंकों से परास्त

विशाखापट्टनम, एजेंसी। तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स ने आखिरकार अपने हार के सिलसिले को तोड़ते हुए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 में पहली जीत दर्ज की। सोमवार को खेले गए 22वें मुकाबले में पटना ने अयान लोचन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पुनेरी पल्टन को 48-37 से मात दी।

लगातार तीन हार के बाद पटना ने जीत का स्वाद चखा, वहीं लगातार तीन जीत के बाद पल्टन को लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। मैच में पटना के लिए अयान लोचन 21 अंकों के साथ हीरो बने, जबकि कप्तान समेत कोई अन्य खिलाड़ी पल्टन के लिए खास असर नहीं दिखा सका। स्टार रेडर असलम इनामदार तो खासतौर पर फ्लॉप रहे, जिन्हें अयान ने अकेले छह बार आउट किया।

मैच की शुरुआत से ही पटना ने दबदबा बना लिया था। शुरुआती पांच मिनट में ही अयान ने लगातार अंक जुटाकर पल्टन को आलआउट किया और स्कोर 10-3 कर दिया। हाफटाइम तक पटना 27-10 से आगे था। दूसरे हाफ में भी अयान के सुपर रेड्स और डिफेंस की मजबूती ने बढ़त और मजबूत कर दी।

हालांकि आखिरी मिनटों में पल्टन ने कुछ अंक बटोरे और अंतर घटाकर 11 अंक कर दिया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पटना की ओर से डिफेंस ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और अयान ने अपने करियर का यादगार प्रदर्शन करते हुए मैच का पासा पलट दिया।

बेंगलुरु बुल्स ने जीत की ऱ्तार पकड़ी, हरियाणा स्टीलर्स को 40-33 से हराया

विजाग, एजेंसी। बेंगलुरु बुल्स ने सोमवार को विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में शानदार रणनीति और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स को 40-33 से हराया। टीम की जीत में ईरानी रेडर अलीरेज़ा मिर्ज़ायन का अहम योगदान रहा, जिन्होंने लगातार दूसरा सुपर-10 लगाया। कप्तान योगेश और दीपक शंकर के नेतृत्व वाली मजबूत डिफेंस ने भी जीत में बड़ा रोल निभाया। हेड कोच बीसी रमेश ने टीम की इस जीत को योजनाबद्ध रणनीति और सटीक क्रियान्वयन का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, हमने पिछली बार की तरह ही दो डिफेंडर और दो रेडर के प्लान पर काम किया। अलीरेज़ा को सपोर्टिंग रेडर रखा गया था और आशीष मलिक मुख्य रेडर थे। इस बार हमारे लकी कैप्टन योगेश ने सही समय पर टैकल किए और टीम को प्रेरित किया। रमेश ने अलीरेज़ा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक दुर्लभ प्रतिभा है। वह शानदार रेडर है। हमने तीन रेडरों के साथ योजना बनाई थी, लेकिन उसे बढ़त देने का फैसला किया। उसका आत्मविश्वास असाधारण है—वह लगातार कहता रहा, 'सर, मुझे भेजो, मैं करके दिखाऊंगा।' यही विश्वास और जज़्बा उसे खास बनाता है। वह ईरान का अगला बड़ा सितारा है। कोच ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा पर भी जोर दिया। उन्हें डिफेंड करना आता है, साथी खिलाड़ियों की मदद करना आता है और अहम मौकों पर अंक बटोरना भी। कप्तान योगेश ने भी अलीरेज़ा की तारीफ करते हुए कहा, वह आत्मविश्वासी रेडर है जो मानता है कि किसी भी टीम के खिलाफ अंक ले सकता है। वह लगातार टीम से संवाद करता है, चाहे रेडिंग रणनीति हो या डिफेंसिव एडजस्टमेंट और यही चीज़ बड़ा फर्क लाती है।

महिला एशिया कप के सुपर-4 में अजेय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण में अपने अजेय अभियान को जारी रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। हांगझोउ में चल रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अहम चरण में भारत का सामना मेज़बान चीन, मौजूदा चैंपियन जापान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों से होगा।

भारत ने पूल-बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से मात दी, उसके बाद जापान से 2-2 की रोमांचक ड्रॉ खेली और फिर सिंगापुर को 12-0 से हराते हुए धमाकेदार अंदाज में सुपर-4 में जगह बनाई।

भारतीय फॉरवर्ड नवनीत कौर और मुमताज़ खान बेहतरीन लय में नज़र आई और पूल चरण में पांच-पांच गोल दागे। टीम को उनसे सुपर-4 में भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इस चरण में सभी चार टीमें भारत, चीन, जापान और कोरिया एक-दूसरे से भिड़ेंगी। शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, जबकि शेष दो टीमें तीसरे स्थान के लिए मुकाबला करेंगी। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को कोरिया से, 11 सितंबर को चीन से और 13 सितंबर को जापान से होगा।

पिछले पांच मुकाबलों में भारत ने कोरिया पर बढ़त बनाए रखी है। तीन मैच भारत ने जीते हैं, एक कोरिया के नाम रहा और एक ड्रॉ पर खत्म हुआ।

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हम टीम की शुरुआत से खुश हैं। खिलाड़ियों ने अच्छा इरादा दिखाया है, अनुशासन बनाए रखा और आक्रामक मौकों को भुनाया है, लेकिन सुपर-4 चरण बिल्कुल अलग चुनौती होगी। हमारा ध्यान डिफेंस को मजबूत रखने और मौकों को गोल में बदलने पर होगा। यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है, इसलिए निरंतरता और संयम बेहद अहम होंगे। खिलाड़ी जिम्मेदारी समझते हैं और भारतीय जर्सी पहनने का गर्व भी महसूस करते हैं। मुझे विश्वास है कि हम अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखते हुए लक्ष्य हासिल करेंगे।

संभागीय बैठक के निर्देशों पर तथ्यपूर्ण रिपोर्ट दें : कमिश्नर

रोजगार मेले के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार तैयारी करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री जी तथा प्रभारी अपर मुख्य सचिव द्वारा ली गई संभागीय बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभागीय बैठक में विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी गई मांगों और दिए गए सुझावों के संबंध में विभागीय निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करें। जो बिन्दु शासन स्तर से संबंधित हैं उनके प्रस्ताव भेजकर लगातार फालोअप करें। बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन में सभी अधिकारी तथ्यपूर्ण जानकारी दर्ज करें। जिला और संभाग स्तर की कोई भी कार्यवाही लंबित न रहे। सभी अधिकारी पालन प्रतिवेदन में अद्यतन जानकारी पोर्टल पर आज ही अपडेट कर दें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि 17 सितम्बर को संभाग की प्रभारी अपर मुख्य सचिव संभागीय बैठक के निर्देशों की समीक्षा करेंगी। बैठक से पूर्व सभी अधिकारी विभाग से संबंधित बिन्दुओं पर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दें। बैठक में कमिश्नर ने गोड़ सागर सिंचाई परियोजना, सिंगरौली में स्टेडियम निर्माण, मैहर-उमरिया मार्ग में महानदी पुल के सुधार कार्य, त्योंथर फ्लो सिंचाई परियोजना तथा दौरी सागर बांध निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गौ वन्य विहार अभ्यारण्य निर्माण के प्रस्ताव एक सप्ताह में प्रस्तुत कर दें। मैहर में माँ शारदा लोक निर्माण की व्यावहारिक कार्ययोजना बनाकर शासन द्वारा आवंटित राशि से निर्माण प्रस्तावित करें। चित्रकूट में भी वनवासी रामलोक निर्माण की कार्ययोजना में आवश्यक सुधार करके उसे पुनः प्रस्तुत करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में वृहद रोजगार मेले में 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रकरण स्वीकृत कराकर हितग्राहियों को रोजगार और स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित करें।

सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रतिदिन एक आवेदक से फोन से संपर्क करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित प्रकरणों तथा 100 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। सभी अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही पत्राचार करें तथा फाइलें भेजें। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास शशि श्याम उइके, चीफ इंजीनियर ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर विकास ने 70 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर विकास मेहताब सिंह गुर्जर ने आमजनता के 70 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा तथा डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल ने भी आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम लालगांव के निवासियों ने मुक्तिधाम तक जाने के लिए आम रास्ता खुलवाने एवं मुक्तिधाम में टीनशेड निर्माण के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने एसडीएम सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। चन्द्रभान सिंह पटेल निवासी ग्राम गोदरी ने भूमि के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार मनगवां को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। देवेन्द्र सिंह लोध निवासी सिरमौर ने अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में इन्द्रभान पाण्डेय निवासी ग्राम टीकर ने राजस्व आदेश की नकल के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदक को तत्काल नकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती शर्मिला गुप्ता निवासी पटेहरा ने प्रसूति सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। संतोष कुमार गुप्ता निवासी पटेहरा ने जनपद पंचायत जवा द्वारा संबल का ई केवायसी सत्यापन कराने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा को तत्काल सत्यापन करने के निर्देश दिए। नृपेन्द्र तिवारी निवासी ग्राम नीगा ने खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान करने के लिए आवेदन दिया।

जिले में 5 डबल लॉक केन्द्रों तथा 37 समितियों से बांटी गई खाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में पिछले एक सप्ताह से खाद की नियमित आपूर्ति हो रही है। इस समय विशेष रूप से यूरिया खाद की मांग है। यूरिया खाद की तीन रैक पहुंचने के बाद सहकारी समितियों, डबल लॉक वितरण केन्द्रों तथा निजी खाद विक्रेताओं द्वारा इसका वितरण किया जा रहा है। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि 9 सितम्बर को 5 विपणन संघ के डबल लॉक सेंटर करहिया मण्डी रीवा, उमरी, चाकघाट, गुढ़ और जवा में तथा 37 सहकारी समितियों एवं दो इफको बाजार वितरण केन्द्रों से भी खाद का वितरण किया गया। करहिया मण्डी में लगभग दो हजार किसान खाद के लिए पहुंचे थे। यहाँ 1600 किसानों को अगले दो दिनों में खाद प्राप्त करने के लिए टोकन वितरित किए गए हैं। किसानों को शेड में बैठाकर क्रमशः टोकन प्रदान किए गए हैं। उमरी में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह की निगरानी में खाद का वितरण किया गया। खाद लेने के लिए लाइन में लगी दो महिलाओं को गर्मी और उमस के कारण परेशानी हुई। अपर कलेक्टर ने तत्काल अपने शासकीय वाहन से उन्हें अस्पताल भिजवाकर समुचित उपचार कराया। दोनों महिलाएं पूरी तरह से स्वस्थ हैं। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने बताया कि करहिया मण्डी में किसानों को लगातार टोकन का वितरण किया जा रहा है।

मऊगंज के अष्टभुजा धाम के पुराने दुकानदार जनसुनवाई में पहुंचे, बोले- 30 साल से व्यापार कर रहे दुकानदारों को नई दुकानों में प्राथमिकता मिले

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी स्थित माता अष्टभुजा धाम में पिछले 30 वर्षों से व्यापार कर रहे दुकानदारों ने जनसुनवाई में जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। दुकानदारों ने नगर परिषद की बनाई जा रही नई दुकानों में प्राथमिकता देने की मांग की है।

इन दुकानदारों का कहना है कि वे मंदिर परिसर में फल-फूल, प्रसाद, चूड़ी-तरकी और सब्जी बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं। वे नगर परिषद को नियमित रूप से प्रतिदिन 10 रुपए बैठकी शुल्क और नवरात्रि मेले के दौरान 1000 रुपए का शुल्क चुकाते आए हैं। इसकी रसीदें भी उनके पास मौजूद हैं।

नगर परिषद ने हाल ही में मंदिर परिसर में नई दुकानों के निर्माण की सूचना दी। प्रशासन के आदेश पर दुकानदारों ने अपनी झुग्गी-झोपड़ियां खाली कर दी हैं। दुकानदारों का कहना है कि उन्हें नई दुकानों के निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है। वे चाहते हैं कि उन्हें इन दुकानों का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

दुकानदारों ने जिला कलेक्टर से अपील की है कि उनकी आर्थिक स्थिति और लंबे समय से किए जा रहे काम को देखते हुए उन्हें दुकानों का वैधानिक अधिकार दिया जाए। वे शासन द्वारा तय की गई राशि देने को तैयार हैं। विजय शंकर यादव, जवाहर लाल गुप्ता, महेश यादव, जगन्नाथ यादव और राजकुमार यादव समेत कई दुकानदारों ने ज्ञापन सौंपा है।

साक्षी इन्टर प्राइजेज न्यू हालैण्ड ट्रैक्टर एजेन्सी के संचालक की दबंगई के खिलाफ एसपी रीवा को दिया गया आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के न्यू बस स्टैंड के पास संचालित साक्षी इन्टर प्राइजेज न्यू हालैण्ड ट्रैक्टर एजेन्सी के संचालक के खिलाफ एक विक्रेता ने एसपी रीवा को आवेदन दिया है। इस आवेदन में पीड़ित विक्रेता ने संचालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित राजबहोर पटेल, पिता कृष्णकान्त पटेल, निवासी ग्राम पो. खजुहा कला, तहसील व थाना गुढ, जिला रीवा ने बताया कि उनके भाई सुभाष पटेल के नाम एक पुराना ट्रैक्टर स्वराज एफ आई 744 रजि. नं. एम पी 17 ए ए/5039 था। प्रार्थी के घर कई बार संचालक वृजेन्द्र सिंह परिहार उर्फ छोटे सिंह और उनके बेटे अमन सिंह परिहार ने आकर कहा कि वे पुराना ट्रैक्टर 3,50,000 रुपये में ले लेंगे और न्यू हालैण्ड ट्रैक्टर का 7,10,000 रुपये में फाइनेंस कर देंगे।

1 सितम्बर को अमन सिंह और अन्य लोग प्रार्थी के गांव आए और नया ट्रैक्टर लेकर गए। उन्होंने कई कागजों पर दस्तखत कराए और प्रार्थी के भाई के नाम के एचडीएफसी बैंक के चेक और अन्य दस्तावेज ले लिए। लेकिन 8 सितम्बर को सभी आरोपी फिर से प्रार्थी के घर आए और कहा कि फाइनेंस अब 8,80,000 रुपये में होगा।

जब प्रार्थी ने इसका विरोध किया, तो सभी आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और नया ट्रैक्टर ले गए। प्रार्थी ने 8 सितम्बर को थाना समान में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

रीवा एसपी का तबादला, 2 साल 7 महीने का कार्यकाल पूरा किया; शैलेंद्र सिंह बने नए एसपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 2 साल 7 महीने का कार्यकाल पूरा करने के बाद रीवा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विवेक सिंह का तबादला भोपाल कर दिया गया है। अब वे पुलिस उपायुक्त, भोपाल जोन-2 का प्रभार संभालेंगे। वहीं, उनके स्थान पर शैलेंद्र सिंह चौहान रीवा के नए एसपी बनाए गए हैं। 1 अप्रैल 2023 को विवेक सिंह ने तत्कालीन एसपी नवनीत भसीन से रीवा का चार्ज लिया था। ढाई साल से अधिक समय तक उन्होंने जिले में एसपी के रूप में कार्य किया। उनके कार्यकाल में जिले में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस सुधार संबंधी कई पहल की गईं।

नए एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान: शैलेंद्र सिंह चौहान इससे पहले भिंड और मुरैना के एसपी रह चुके हैं। 29 अप्रैल 2023 को उन्हें भिंड से मुरैना एसपी बनाया गया था। 10 अगस्त 2024 को मुरैना में रहते हुए उन्हें ग्वालियर में एसएएफ 13वीं बटालियन का कमांडेंट बनाया गया था।

मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर आईपीएस तबादले: मंगलवार को गृह विभाग के आदेश पर 30 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इस सूची में 13 जिलों के एसपी शामिल हैं। इससे पहले सोमवार शाम को जारी आदेश में 20 आईपीएस अफसरों को तबादला किया गया था। इस तरह दो आदेशों में कुल 50 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए और कुल 15 जिलों के एसपी बदले गए।

बेटी की लाश पर पिता ने देखे पिटाई के निशान

बोले- दामाद ने हत्या की, बेटी ने उस दिन फोन पर बताई थी पूरी बात

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बीहड़ा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका की पहचान सीता बाई साकेत (32) के रूप में हुई है।

सीता का विवाह वर्ष 2010 में बीहड़ा गांव में हुआ था। सोमवार शाम करीब 4 बजे उन्होंने अपने पिता को फोन कर बताया कि पति और ससुराल वाले उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। फोन कटने के बाद स्विच ऑफ हो गया। शाम 6 बजे गांव के एक व्यक्ति ने फोन कर सीता की मौत की सूचना दी।

मृतका के पिता राजमनोहर साकेत ने बताया कि उनकी बेटी के दो छोटे बच्चे हैं। शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष उस पर अत्याचार करते थे। शव पर चोट के कई निशान मिले हैं। पिता ने दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहले हनुमना अस्पताल भेजा। बाद में संदेहास्पद परिस्थितियों को देखते हुए रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

मऊगंज वेयरहाउस में खाद वितरण के दौरान हंगामा, टोकन के बाद भी खाद नहीं; पुलिस बुलाकर कराना पड़ा वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के मऊगंज वेयरहाउस में सोमवार को खाद वितरण के दौरान अव्यवस्था की स्थिति बन गई। सुबह से लगी लंबी कतारें दोपहर तक धक्का-मुक्की में बदल गईं। प्रशासन को पुलिस बुलानी पड़ी और उनकी निगरानी में शाम तक टोकन और खाद का वितरण किया गया। किसानों का आरोप है कि प्रशासन सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 7 सितंबर को जिले के दौरे पर प्रशासन ने खाद की कमी दूर होने का दावा किया था। लेकिन किसानों की समस्या अभी भी बनी हुई है।

किसान शैलेंद्र पटेल ने बताया कि वह एक हफ्ते से रोजाना चक्कर काट रहे हैं। टोकन मिलने के बाद भी खाद नहीं मिल पाई है। दामोदरगढ़ के जयप्रकाश मिश्रा तीन दिन से लाइन में लग रहे हैं। जुड़मनिया के छात्र अनिकेश कुमार पटेल पिता के कहने पर चार-पांच दिन से खाद लेने आ रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई का नुकसान हो रहा है।

तहसीलदार बी.के. पटेल और पुलिस की मौजूदगी में खाद का वितरण किया गया। फिर भी कई किसान खाली हाथ लौटे। किसानों का कहना है कि वेयरहाउस प्रबंधन की लापरवाही से स्थिति बिगड़ती जा रही है।

किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने भरी हुंकार,कहा किसानों का शोषण अब बर्दाश्त नहीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की अगुवाई में किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने आज कृषि उपज मंडी मैहर में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के किए जा रहे शोषण को लेकर एक बड़ी सभा का आयोजन कर एसडीएम मैहर के कार्यालय का घेराव किया। किसान नेता पुष्पराज सिंह ने कहा कि किसानों को झूठे सब्जबाग दिखाने वाली उनकी आय दुगनी करने का भरोसा देकर सरकार में आने वाली भाजपा ने आज किसानों को अकेला बिचौलियों से साहूकारों से लूटने के लिए छोड़ दिया। जिस किसान ने भरोसा कर भाजपा की सरकार बनाई आज वही किसान अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। मध्यप्रदेश में किसान अत्यंत दयनीय स्थित में है किसानों की हो रही आते दिन आत्महत्याएं इस बात को प्रदर्शित करती है कि खेती अब लाभ का धंधा नहीं रह गई।

किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि एक तरफ किसान बिजली की मार से उबर नहीं पा रहा गांव में खंभे है तो तार नहीं तार है तो खंभे नहीं तार खंभे है तो ट्रांसफार्मर नहीं है। सबकुछ है तो वोल्टेज नहीं है बिजली नहीं जिस वजह से वह अपनी सिंचाई नहीं कर पा रहा। किसी तरह बेचारा किसान साहूकारों से कर्जा लेकर खेत की बोनी कर भी लिया तो उसे सरकार खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही। आधीरात से किसान खाद के सेंटरों में भूखा प्यासा लाइन लगाता है और शाम को उसकी बारी नहीं आती तो मायूस होकर घर लौट जाता है फिर अपने आपको कोसता है कि आखिर हमने इस सरकार को क्यों चुना जो हमें खाद तक उपलब्ध नहीं करा पा रही। कांग्रेस नेता ने कहा कि आश्चर्य का विषय है सरकार के ठिकानों में खाद नहीं है लेकिन साहूकारों के यहां खाद भरी है किसान दुगनी तिगुनी कीमत में जाकर खरीदने को मजबूर है। आखिर बिचौलियों को ये खाद कहा से मिली सरकार सीधे किसानों को खाद क्यों नहीं उपलब्ध करा पाई। ये सरकार का बड़ा फेलियर है खाद की उपलब्धता के मामले में सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है।

पुष्पराज सिंह ने कहा कि किसानों के हालात बिगड़ चुके है खेती खाद की वजह से खराब हो रही है इसलिए सरकार और उसके नुमाइंदे जाग जाय किसानों को खाद बिजली पर्याप्त उपलब्ध कराए नहीं तो अब किसान कांग्रेस बर्दास्त नहीं करेगी कितना बड़ा आंदोलन खड़ा करना पड़ेगा हम करेंगे। हम किसान के साथ हर परिस्थित में खड़े है उनके साथ शोषण और अन्याय नहीं होने देंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।